सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 125 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 17 फरवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

शहर सरकार के बाद अब गांव की सरकार चुनने छत्तीसगढ़ में पहले चरण का मतदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहरी सरकार चुनने के बाद अब जनता गांव की सरकार चुनने सोमवार को मतदान हुआ। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण के लिए सोमवार को दुर्ग जनपद के साथ कुल 53 विकासखंडों में मतदान हुआ। सुबह 7 बजे से ही मतदान के प्रति गांव में उत्साह नजर आया। वोटिंग के जरिए ग्रामीण मतदाता अपनी पसंद के पंच, सरपंच, जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्य को चुनने मतदान किया। दोपहर तीन बजे तक सभी 53 विकास खंड़ों में मतदान हुआ। इसके बाद मतदान दल के अधिकारियों के साथ पीठासीन अधिकारी ने मतगणना भी शुरू की। पहले चरण के मतदान का रिजल्ट 18 फरवरी को जिला पंचायत कार्यालय से घोषित किए जाएंगे।

बता दें छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तीन चरणों में हो रहा है। पहले चरण के लिए 53 विकासखंडों में 17 फरवरी यानी सोमवार को वोटिंग हुई। इसके नतीजे मंगलवार को घोषित किए जाएंगे। पहले चरण में 9873 मतदान केंद्रों में वोटिंग हुई। गांव की जनता ने पंच पर खड़े 60203, सरपंच पद पर खड़े 14646, जनपद पंचायत सदस्य के 4587 प्रत्याशी व जिला पंचायत सदस्य के 702 प्रत्याशियों का भाग्य बैलेट पेपर के माध्यम से कैद कर दिया है। वहीं दूसरे चरण के लिए 20 फरवरी और तीसरे चरण के लिए 23 फरवरी को मतदान होगा। दूसरे चरण में 43 विकासखंडों और तीसरे चरण में 50 विकासखंडों में मतदान होगा।

पहले चरण में दुर्ग जनपद सहित 53 विकासखंडो में हुई वोटिंग

चार अलग- अलग रंग के मतपत्रों का उपयोग

पंचायत चुनाव के लिए चार अलग- अलग पदों के लिए चार अलग- अलग रंग के मतपत्रों का उपयोग किया गया। पंच के लिए सफेद, सरपंच के लिए नीला, जनपद पंचायत सदस्य के लिए पीला और जिला पंचायत सदस्य के लिए गुलाबी मतपत्र उपयोग किया गया।

इन 53 विकासखंडों में हुआ मतदान

मस्तुरी, गौरेला, मुंगेली, बम्हनीडीह, अकलतरा, जैजेपुर, कोरबा, करतला, रायगढ़, पुसौर, बरमकेला, सूरजपुर, भैयाथान, कुसमी, राजपुर, शकंरगढ़, अंबिकापुर, लखनपुर, उदयपुर, सोनहत, खडग़वां, बगीचा, आरंग, अभनपुर, भाटापारा, सिमगा, गरियाबंद, मैनपुर, बसना, सरायपाली, धमतरी, मगरलोड, बेमेतरा, नवागढ़, दुर्ग, डौण्डीलोहारा, डौंडी, राजनांदगांव, छुईखदान, मानपुर, कवर्धा, सहसपुर लोहारा, कोंडागांव, जगदलपुर, दरभा, नारायणपुर, कांकेर, चारामा, नरहपुर, दंतेवाड़ा, गीदम, सुकमा और बीजापुर शामिल हैं।

पंचायत चुनाव के तीन चरणों के लिए राज्य में 31 हजार 41 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इसमें से 7128 संवेदनशील और 2161 अति संवेदनशील केंद्र हैं। तीनों चरणा में जिला पंचायत के 433, जनपद पंचायत के 2973, ग्राम पंचायत (सरपंच) के 11 हजार 672 और वार्ड (पंच) के 1 लाख 60 हजार 180 पदों पर चुनाव होगा।

दुर्ग जनपद के 257 मतदान केन्द्र में हुआ मतदान

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अंतर्गत दुर्ग जनपद के 257 मतदान केन्द्रों में मतदान हुआ। सोमवार को सुबह 7 बजे से ही मतदाताओं में भारी उत्साह दिखा। दोपहर 3 बजे तक मतदान की प्रक्रिया पूरी की गई। मतदान समाप्ति पश्चात मतदान केन्द्र में ही मतों की गणना भी शुरू हो गई। हालांकि अंतिम परिणाम 18 फरवरी को जारी किए जाएंगे। मतगणना का कार्य पीठासीन अधिकारी द्वारा अपने केन्द्र के मतदान अधिकारियों के सहयोग से शुरू किया गया। मतगणना का सारणीकरण 18 फरवरी को जनपद पंचायत कार्यालय में होगी। सारणीकरण के बाद जनपद पंचायत कार्यालय से परिणाम घोषित किये जायेंगे।

पंचायत चुनाव : सीएम साय बोले-नक्सलवाद का हो रहा अंत, जीत रहा लोकतंत्र

रायपुर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण के मतदान में मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह है। खासकर नक्सल प्रभावित गांवों में भी शांति पूर्वक मतदान हो रहा है। इसे लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा कि नक्सलवाद का हो रहा अंत, जीत रहा लोकतंत्र।

सीएम साय ने कहा ऐसी खबरें आत्मिक संतोष देती है कि बस्तर संभाग में अब बुलेट की जगह बैलेट का जोर चल रहा है। सुकमा और बीजापुर जिले के 130 से अधिक मतदान केंद्रों में 40 साल बाद वहां के ग्रामीण, पंचायत चुनाव में मतदान करेंगे। यहीं नहीं नक्सली कमांडर हिड़मा के गांव पूवर्ती में भी ग्रामीण इस बार मतदान करने के लिए उत्साहित हैं।

पहली बार ऐसा हुआ है कि बस्तर संभाग में नक्सलियों ने पंचायत चुनाव का विरोध नहीं किया है, यह सब सम्भव हुआ है हमारी सरकार द्वारा उन अति संवेदनशील क्षेत्रों में 40 से अधिक नवीन सुरक्षा कैंपों की स्थापना से।

बस्तर में कैंसर रूपी नक्सलवाद के ताबूत पर आखिरी कील ठोंकने का काम हमारी डबल इंजन की सरकार कर रही है। यहां के लोगों के लिए नासूर बन चुके नक्सलियों का यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के संकल्प के अनुरूप मार्च 2026 तक खात्मा तय है। बस्तर संभाग के इन सभी ग्रामीणों को बधाई एवं शुभकामनाएं। सुरक्षाबल के जवानों का सहृदय अभिनंदन। यही है गनतंत्र पर गणतंत्र की विजय! जय बस्तर, जय छत्तीसगढ़!

खास-खबर

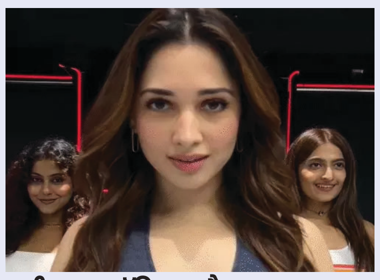

छत्तीसगढ़ वॉरियर और राजस्थान किंग्स के बीच आज फाइनल तमन्ना भाटिया करेंगी परफॉर्म

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आज लीजेंड 90 क्रिकेट लीग का फाइनल मुकाबला है। मैच छत्तीसगढ़ वॉरियर और राजस्थान किंग्स के बीच होगा। बॉलीवुड एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया फाइनल मुकाबले से ठीक पहले समापन समारोह में परफॉर्म करेंगी।

इन दिनों आज की रात मजा हुस्न का...सॉन्ग काफी चर्चा में रहा है। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इन दिनों कई इंटरनेशनल स्टेज पर परफॉर्म कर रही हैं। उनकी ये चर्चित परफॉर्मेंस रायपुर में भी लोगों को देखने को मिलेगी। इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आम लोगों के लिए एंट्री पूरी तरह से फ्री की गई है। 6 फरवरी से शुरू की गई लीजेंड 90 क्रिकेट पर अपने अंतिम पड़ाव पर है। फाइनल मुकाबला में छत्तीसगढ़ सरकार के खेल मंत्री टंक राम वर्मा समेत कई नेता भी शामिल होंगे। इससे पहले रविवार को दूसरे क्वॉलिफायर मुकाबले में राजस्थान किंग्स ने दमदार प्रदर्शन किया। दिल्ली रॉयल्स को 6 विकेट से हराकर लीजेंड 90 लीग के फाइनल में जगह पक्की कर ली। राजस्थान की जीत के नायक फिल मस्टर्ड (नाबाद 53) और रजत सिंह (56) रहे, जिन्होंने टीम को रोमांचक जीत दिलाई।

प्रयागराज संगम स्टेशन 26 फरवरी तक के लिए बंद, भारी भीड़ उमड़ने के बाद रेलवे ने लिया फैसला

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में उमड़ रही भारी 26 फरवरी तक बंद कर दिया गया है। रेलवे

ने पहले 14 फरवरी, फिर 16 फरवरी तक स्टेशन को बंद रखने निर्णय लिया था, लेकिन भीड़ का दबाव कम न होने पर स्टेशन को 26 फरवरी तक बंद करने का फैसला लिया गया। इस स्टेशन से ट्रेन पकड़ने वालों को अब फाफामऊ रलवे स्टेशन पर जाना पड़ेगा।

प्रयागराज जंक्शन पर रविवार की शाम भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्टेशन जाने वाले सभी रास्तों पर जाम लग गया। भारी भीड़ को देखते हुए महाकुंभ मेले के ध्वनि विस्तारक से यह सूचना प्रसारित करानी पड़ी कि प्रयागराज जंक्शन जाने वाले यात्री एक घंटे बाद ही जंक्शन जाएं, अभी वहां पर भारी भीड़ है। जो लोग जंक्शन से ट्रेन पकड़कर गंतव्य की ओर जाान चाहते हैं वह एक घंटे बाद ही जंक्शन पर पहुंचें। सुबह से ही सभी स्टेशनों पर भारी भीड़ रही। प्रयागराज जंक्शन सहित सूबेदारगंज, फाफामऊ, छिवकी, रामबाग प्रयागराज, झूंसी और प्रयागराज जंक्शन पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नैनी स्टेशन के बाहर का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया था। महाकुंभ मेले में त्रिवेणी मार्ग समेत कई जगहों पर रेलवे टिकट के रिजर्वेशन और और चालू टिकट की खरीद के लिए काउंटर भी बनाए गए हैं।

चूहों को मारने महिला ने टमाटर में इंजेक्ट किया था जहर पति की गलती से उसकी चटनी बनाकर खाने से हुई मौत

■ कोरबा के कटघोरा थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस ने शुरु की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पति की एक गलती ने पत्नी की जान ले ली। दरअसल चूहे मारने के लिए पत्नी ने टमाटर में जहर इंजेक्ट किया और उसे नीचे छोड़ दिया। पति ने उस टमाटर को टोकनी में डाल दिया। बाद में पत्नी ने उसी टमाटर की चटनी बनाई और खा ली। इससे उसकी तबीयत बिगड़ी और उसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी मौत हो गई। मामला जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार कटघोरा थाना अंतर्गत बिंजरा गांव निवासी कार्तिक राम की पत्नी बसंती की जहरीले टमाटर की चटनी खाने से मौत हो गई। दरअसल कार्तिक राम की पत्नी चूहों से बहुत परेशान थी और उन्हें मारने के लिए टमाटर में जहर इंजेक्ट किया और नीचे छोड़कर जंगल में

पत्ता तोड़े चली गई थी। इसके बाद कार्तिक राम ने देखा कि टमाटर नीचे गिरा हुआ है तो उसने दवा भरे टमाटर को वापस टोकरी में रख दिया। इसके बाद वह मजदूरी करने निकल गया।

कार्तिक राम मजदूरी कर रहा था कि उसे फोन पर जानकारी मिली की उसकी पत्नी बसंती की हालत खराब है और उल्टी-दस्त कर रही है। जब मौके पर पहुंचा तो उसने बताया कि कुछ देर पहले ही बसंती टमाटर की चटनी खाई है। पत्नी बसंती को तुरंत जिला मेडिकल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। वहीं महिला के शव का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतिका बसंती की मृत्यु होने से उसके दो बच्चों के सर से मां का साया उठ गया है। अब उनके संरक्षण की जिम्मेदारी पति और अन्य परिजनों पर आ गई हैं।

जिला अस्पताल चौकी प्रभारी दाऊद कुजुर ने बताया कि परिजनों की बात अनुसार बयान दर्ज किया गया है जहां बताया गया कि चूहा मारने टमाटर में इंजेक्शन की जगह लिक्विड डाला गया था इसके सेवन करने से उसकी मौत हो गई बयान दर्ज कर जांच के लिए संबंधित थाना को भेजा जाएगा। बिंझरा गांव में हुई इस घटना ने लोगों को दुखी किया है और सबक भी दिया है। आगे इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए जरूर इस बात की है कि अगर कोई अपने घर में खाने-पीने की चीजों की सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम भरा कदम उठाने जा रहे हैं तो इस बारे में घर के लोगों को पूरी जानकारी हो ताकि अनहोनी से बचा जा सके।

दिल्ली की धरती भूकंप के झटकों से दहली, दहशत में घरों से बाहर निकले लोग... कोई हताहत नहीं

■ 4.0 तीव्रता का था भूकंप, पीएम मोदी से सावधानी बरतने की अपील

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली एनसीआर में सोमवार की सुबह भूकंप आया। तड़के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि सोमवार को सुबह पांच बजकर 36 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके इतने तेज थे कि डरे सहमे लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल आए। कई लोग गहरी नींद से जाग गए। भूकंप का केंद्र दिल्ली के धौला कुआं इलाके में दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास था। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 आंकी गई है।

मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में सोमवार सुबह 4.0 तीव्रता का भूकंप आया। दिल्ली में धौला कुआं के पास भूकंप का केंद्र था। जिस

समय भूकंप के झटके महसूस किए गए उस समय अधिकतर लोग सो रहे थे। कंपन के साथ तेज आवाज भी सुनाई दी। इसके बाद लोग घरों से बाहर निकल गए। बताया जा रहा है कि भूकंप के कारण धरती तेजी से कांप रही थी। कुछ पल के लोग दहशत में आ गए। हालांकि इस भूकंप में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर में महसूस किए गए इन भूकंप के झटकों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से सावधान रहने का भी आग्रह किया। पीएम मोदी ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। सभी से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने और संभावित ऑफ्टरशॉक के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया जाता है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

ये भीड़ और यह उतावलापन

श्रीकंचनपथ

देश में भीड़ बढ़ रही है। अलग-अलग कारणों से भीड़ जुटाई भी जाती है। इसमें धार्मिक और राजनैतिक कारण दोनों ही शामिल हैं। अर्थशास्त्र का सिद्घांत है कि जब आपूर्ति अधिक हो, तो दाम गिर जाते हैं। कुछ ऐसा ही इंसानों के साथ हो रहा है। इंसानों की लगातार बढ़ती भीड़ ने इनकी हालत भी मवेशियों जैसी कर दी है। आबादी इतनी हो गई है कि सामान्य परिस्थितियों में भी ट्रेनों में वेटिंग और आरएसी चलता रहता है। खुद ट्रेनों की हालत यह है कि वह समय पर चल ही नहीं पा रही हैं। इसलिए 2-4, 10-20 लोगों का मर जाना केवल आंकड़ा बनकर रह जाता है। इसका दर्द केवल वही समझता है जिसका परिवार बिखर जाता है। लाखों की भीड़ में 100-50 मर भी गए तो भीड़ की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता। नई दिल्ली स्टेशन पर मची भगदड़ भी एक ऐसी ही घटना है। ट्रेनों की लेटलतीफी यहां भी जी का जंजाल बनी। दो-दो ट्रेनें विलम्ब से चल रही थीं। इधर स्टेशन पर छह ट्रेनों के लायक भीड़ थी। जैसे ही उन्हें एक और ट्रेन के आने का पता चला वो उधर दौड़ पड़े। फुटओवरब्रिज पर भगदड़ मच गई। लोग गिर गए और शेष लोग पगलाए मवेशियों की तरह उन्हें कुचलते हुए आगे निकल गए। सभी को पुण्य कमाने की जल्दी थी। लगभग दो दर्जन लोगों की मौत हो गई। वैसे भगदड़ की यह कोई पहली घटना नहीं है। 16 मई, 2010 को इसी स्टेशन पर भगदड़ मची थी जिसमें 2 की मौत हो गई और 30 घायल हो गए थे। 10 फरवरी 2013 को भी कुंभ मेले के दौरान प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मची थी, जिसमें 32 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। वह मौनी अमावस्या का दिन था। 3 अक्टूबर 2014 को पटना के गांधी मैदान में दशहरा के दौरान भगदड़ मची थी जिसमें 32 लोगों को अपने प्राण गंवाने पड़े थे। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में गोदावरी नदी के तट पर मची भगदड़ में 27 लोगों की मौत हो गई। 1 जनवरी 2022 को मां वैष्णो देवी दर्शानार्थियों की भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई। 31 मार्च 2023 को इंदौर में रामनवमी के दौरान 36 लोगों की मौत हो गई। 2 जुलाई 2024 को हाथरस के एक सत्संग में भगदड़ से 107 लोग मारे गए। 29 जनवरी 2025 को महाकुंभ में भगदड़ से 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। यह कोई अप्रत्याशित भीड़ नहीं थी, बल्कि इस भीड़ को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे थे। क्राउड मैनेजमेंट अर्थात भीड़ प्रबंधन का मूल तत्व है भीड़ नहीं जुटने देना। यहां तो मूल ही बिगड़ा हुआ है। भीड़ केवल प्रयागराज में नहीं है। यहां पहुंचने वाली हर सड़क पर जाम की स्थिति है। भीड़ रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर भी है। आबादी भीड़ बन जाए तो वह राष्ट्र पर बोझ बन जाती है।

संपादकीय

भाजपा की ऐतिहासिक जीत

भाजपा का दिल्ली में 27 साल से चला आ रहा राजनीतिक वनवास समाप्त हो गया जब उसने 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा की 48 सीट जीत कर आम आदमी पार्टी (आप) के तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने के मंसूबे पर पानी फेर दिया।
आप को 22 सीटें मिलीं। कांग्रेस अपना खाता तक खोलने में लगातार तीसरी बार नाकाम रही। भाजपा को 45.81 फीसद मत मिले जबकि आप ने 43.56 फीसद मत हासिल किए और कांग्रेस को 6.36 फीसद मतों पर संतोष करना पड़ा।
आप के लिए सर्वाधिक निराशाजनक रहा कि उसके राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पार्टी में नंबर दो मनीष सिसोदिया समेत सौरभ भारद्वाज, सत्येंद्र जैन समेत कई धुरंधरों को मतदाताओं ने नकार दिया।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो दिल्ली में भाजपा की जीत के प्रमुख कर्णधार रहे, अपनी पार्टी को %प्रचंड जनादेश' मिलने पर मतदाताओं का आभार जताते हुए आस्त किया है कि राजधानी के चौतरफा विकास और लोगों का जीवन उत्तम बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। भाजपा की जीत को ऐतिहासिक करार देते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली एक दशक की %आप-दा' से मुक्त हुई है। कांग्रेस की इस बार भी दुर्गत हुई।

"राजधानी में नागरिक सेवाओं की चरमराई स्थिति से पनपे आम जन के आक्रोश से बच न सकी। दिल्ली नगर निगम में भी आप की सत्ता होने के कारण आप के लिए यह भी संभव न था कि निगम की काहिली बता कर जनाक्रोश से खुद को बचा ले जाती। शराब घोटाला, जिसमें उसके कुछ वरिष्ठ नेताओं को जेल भी जाना पड़ा, आलीशान मुख्यमंत्री आवास, जिसे भाजपा ने शीशमहल कहा, जैसे मुद्दे ऐसे रहे जिनसे केजरीवाल की छवि खासी धूमिल हो गई।

पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के नेतृत्व में 15 साल तक सरकार चलाने के बाद सत्ता से बाहर हुई कांग्रेस इस बार भी एक भी सीट हासिल न कर सकी। विधानसभा की सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ी कांग्रेस के तीन प्रत्याशी ही जमानत बचा सके। अलबत्ता, पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले उसके मत प्रतिशत में दो फीसद से ज्यादा बढ़ोतरी जरूर हुई है। आप का जन्म मध्यम वर्ग की तत्कालीन राजनीतिक माहौल से निराशा की वजह से हुआ था लेकिन बाद के वर्षो में आप खुद को गरीबों के लिए काम करने वाली चैंपियन पार्टी के रूप में उभारने सफल रही।
लेकिन राजधानी में नागरिक सेवाओं की चरमराई स्थिति से पनपे आम जन के आक्रोश से बच न सकी। दिल्ली नगर निगम में भी आप की सत्ता होने के कारण आप के लिए यह भी संभव न था कि निगम की काहिली बता कर जनाक्रोश से खुद को बचा ले जाती। शराब घोटाला, जिसमें उसके कुछ वरिष्ठ नेताओं को जेल भी जाना पड़ा, आलीशान मुख्यमंत्री आवास, जिसे भाजपा ने शीशमहल कहा, जैसे मुद्दे ऐसे रहे जिनसे केजरीवाल की छवि खासी धूमिल हो गई। उनकी 'कट्टर ईमानदार' की छवि को इन दो बातों ने चकनाचूर कर दिया। वे जनता को विश्वास ही नहीं दिला पाए कि उन्होंने भ्रष्टाचार नहीं किया है।

मस्क और ट्रंप को बड़ा झटका

अमेरिकी अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नीति विभाग की संवेदनशील जानकारी हासिल करने पर रोक लगा दी है। संघीय न्यायाधीश ने पूंजीपति एलन मस्क नीति सरकारी दक्षता विभाग को वित्त विभाग के रिकार्ड हासिल करने पर रोक लगाई जिसमें लाखों अमेरिकियों की सामाजिक सुरक्षा व बैंक खाता संबंधी संवेदनशील जानकारी व डेटा शामिल हैं। यह आदेश उन्नीस डेमोक्रेटिक अटॉरनी जनरलों द्वारा ट्रंप पर दायर किये गये मुकदमे के बाद जारी किया। एक अन्य संघीय अदालत ने अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने के आदेश पर अस्थाई रोक लगा दी।

अदालत का कहना है कि ट्रंप प्रशासन ने संघीय कानून का उल्लंघन करते हुए मस्क की टीम को वित्त विभाग की केंद्रीय भुगतान प्रणाली तक पहुंचने की अनुमति दी जिसके तहत रिफंड, सामाजिक सुरक्षा लाभ, पूर्व सैनिकों को लाभ समेत तमाम जिम्मेदारियां आती हैं।

यह प्रति वर्ष लाखों-करोड़ों डॉलर का लेन-देन करती है। ट्रंप के सत्ता संभालते ही उनके प्रशासन ने सरकारी फिजूलखर्ची का पता लगाने और उसे खत्म करने के लिए मस्क के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग यानी डीओजीआई का गठन किया था। हजारों विदेशी कर्मचारियों को तीस दिन के भीतर परिवार समेत लौटने के आदेश को रोकते हुए अदालत ने इसे जल्दबाजी में किया गया फैसला बताया। अदालत का यह रुख दिग्गज कारोबारी मस्क और ट्रंप, दोनों को बड़ा झटका माना जा रहा है।

राष्टपति चुनाव से पूर्व ही मस्क ने ट्रंप के साथ दोस्ती का हाथ बढ़ाया था। राष्टपति बनते ही रिपब्लिकन पार्टी के नेता ट्रंप के इमीग्रेशन, टैरिफ, जलवायु समझौते और विश्व स्वास्थ्य संगठन से पांव खींचने जैसे चौंकाने वाले फैसलों पर दुनिया हतप्रभ थी। उनके तेवरों से विपक्ष ही नहीं, विश्व समुदाय भी आशंकित है।

उन्होंने कहा है कि हम युद्ध में नहीं पड़ेंगे, शांति लायेंगे जबकि यूक्रेन का जिक्र भी नहीं किया, न ही गाजा के विषय में कुछ स्पष्ट किया। अमेरिका महंगाई के साथ कानून-व्यवस्था से जूझ रहा है। अमेरिकी व्यवस्था में अदालतों के अधिकारों को चुनौती देना आसान नहीं है। मगर ट्रंप दूसरे कार्यकाल में पूर्वाग्रहों से भरे एजेंडों को लेकर काफी आक्रामक हैं। न सिर्फ बजिद नजर आ रहे हैं, बल्कि अपने मंसूबों को लेकर अड़े भी हुए हैं।

ट्रंप टैरिफको सौदेबाजी के हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। अभी उन्होंने एक रुख दिखाया है। प्रधानमंत्री के न्योते पर कुछ समय बाद उन्हें भारत आना है। तब तक जमीन पर काफी कुछ बदल चुका होगा और दोनों तरफसे तैयारी भी हो चुकी होगी। उम्मीद करनी चाहिए कि तब वह कुछ ऐसी खुशखबरी लेकर आएंगे, जैसी इस दौरे के पहले भारत की तरफसे ड्यूटी घटाकर उनको दी गई थी।

भारत पर अमेरिकी उम्मीदों का नया भार

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

भागवती चरण वर्मा की मशहूर कहानी है- दो बांके। लखनऊ के दो बांके लंबे समय तक सड़क पर मजमा जुटाए रहते हैं, भिड़ने की तैयारी करते हैं, करीब-करीब भिड़ ही जाते हैं। मगर आखिर में हाथ मिलाकर वापस अपने-अपने इलाके को ही अपना बताते हैं। अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं या फिर दो बड़े नेताओं की मुलाकात भी कुछ ऐसा ही मंजर बांधती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सौदेबाजी या मोल-भाव के मामले में मोदी उनसे इक्कीस ही पड़ते हैं। आप इस बात को गंभीरता से भी ले सकते हैं और यह भी मान सकते हैं कि यह वैसी ही बात है, जैसी किसी सौदे के बाद दुकानदार ग्राहक से करता है। सच बात तो यही है कि शक्ति संतुलन के अलावा अंतरराष्ट्रीय राजनीति का मतलब अब सिर्फसौदेबाजी, लेन-देन और अपने-अपने व्यापारियों का भला करना ही है। व्यापारियों का भला करने का मतलब उनके साथ जुड़े हजारों-लाखों लोगों के रोजगार व कमाई का ख्याल रखना भी है और अपनी अर्थव्यवस्था की सेहत की चिंता भी।

पहले ऐसी यात्राओं पर राष्ट्र प्रमुखों या प्रधानमंत्रियों के साथ उद्योगपतियों और व्यापारियों का एक बड़ा काफिला भी चलता था। पिछले तीस-चालीस वर्षों में जब भी अमेरिकी राष्ट्रपति भारत आते थे, उनके साथ वहां की बड़ी-बड़ी कंपनियों के मालिक और अफसर भी होते थे। उन दो-तीन दिनों में भारत के फिक्की, सीआईआई जैसे संगठन भी बहुत व्यस्त हो जाते थे, अपने-अपने सदस्यों के सौदे करवाने के लिए। नेता जनता के सामने बड़ी-बड़ी बातें करते थे, मगर पर्दे के पीछे उनके अधिकारी हिसाब लगा रहे होते कि इस दौरे में कितने सौदे हुए और कितना नफा-नुकसान रहा।

मगर अब तस्वीर बदल गई है। खासकर ट्रंप के दौर में। अब वह खुलेआम अपनी कंपनियों के नाम लेकर उनकी पैरवी करने से नहीं कतराते। मजे की बात है कि एक तरफ ट्रंप 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा दोहरा रहे हैं, तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी जमीन पर खड़े होकर ही हुंकार भर दी, 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन।' सामान्य दृष्टि से देखा जाए, तो दोनों आमने-सामने खड़े दिखते हैं। मगर क्या अमेरिका और भारत, दोनों एक साथ महान नहीं हो सकते? दरअसल, इस बार कुर्सी संभालने के पहले से ही ट्रंप के साथ टैरिफया सीमा शुल्क का मुद्दा जुड़ा हुआ है और अब वह लगातार बड़ा होता जा रहा है। उनका ताजा एलान है, परस्पर सीमा शुल्क (रेसिप्रोकल टैरिफ), यानी जो हमारे साथ जैसा करेगा, हम उसके साथ वैसा ही करेंगे। मतलब यह हुआ कि जो देश अमेरिका से आयात पर जितनी ड्यूटी लगाएगा, उसे अमेरिका को अपने एक्सपोर्ट पर उतनी ही ड्यूटी भरनी होगी, लेकिन इसका एक अन्य पहलू भी है।

उदारीकरण के पहले का भारत जिन लोगों को याद है, उन्हें पता है कि विदेश से आने वाली चीजें कितनी महंगी और दुर्लभ होती थीं। आज भी जैसे ही किसी चीज पर कस्टम ड्यूटी बढ़ती है, उसके खरीदार परेशान होने लगते हैं। अब अगर आम इस्तेमाल की चीजों पर भारी ड्यूटी का भार पड़ा, तो क्या होगा? इसका सीधा जवाब है कि महंगाई बढ़ेगी। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए भी महंगाई परेशानी का कारण है, मगर अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों में तो महंगाई आपदा जैसी होती है, क्योंकि वहां के लोगों को इसकी आदत नहीं है।

जैसे को तैसा टैरिफवाले एलान से भारत में हड़कंप सा मचा हुआ है। कुछ विशेषज्ञों ने तो हिसाब जोड़कर बता दिया है कि इसका सबसे ज्यादा नुकसान भारत को हो सकता है। यह चिंता की बात है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा साझीदार है। भारत के कुल एक्सपोर्ट का सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका को ही जाता है, लेकिन अमेरिका की नजर से देखें, तो उसके ग्राहकों की लिस्ट में भारत दसवें नंबर पर आता है। जाहिर है, ट्रंप इस सूरत को बदलना चाहते हैं। वैसे भी, इस वक्त भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है, क्योंकि चीन के बाजार में घुसना बाकी दुनिया के लिए बेहद मुश्किल है।

ट्रंप से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा कि साल 2030 तक भारत-अमेरिका व्यापार को बढ़ाकर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। ट्रंप की नजर इस पर है कि भारत जितना माल बेचता है, उतना खरीदता क्यों नहीं? वह चाहते हैं कि भारत-अमेरिकी व्यापार में अमेरिका का घाटा पाटा जाए। ट्रंप चाहते हैं, दोनों देशों में करीब-करीब बराबर रकम का लेन-देन हो। अब अगर दोनों देशों को आपसी व्यापार बढ़ाना है, तो जाहिर है, दोनों अपना-अपना लाभ देखेंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आने वाले वक्त का सबसे बड़ा संसाधन और शायद सबसे बड़ा हथियार भी है। दोनों देशों में सहमति हुई है कि इस पर मिलकर काम किया जाएगा। यह आगे चलकर बहुत बड़े बदलाव का रास्ता खोल सकता है। हथियारों, लड़ाकू विमानों की खरीद और युद्धक क्षमता के मामले में भी अमेरिका से भारत को काफी सहयोग की जरूरत है और उसके रास्ते खुलते हुए दिख रहे हैं। रक्षा सहयोग के दस साल के एक 'फ्रेमवर्क' पर इसी साल हस्ताक्षर होंगे, ऐसा वादा किया गया है और यह भी कि रक्षा खरीद के मामले में भी दोतरफा खरीद की संभावनाएं तलाशने पर बातचीत शुरू की जाएगी। यह बड़ी बात है कि रक्षा उत्पादन में लगी भारतीय कंपनियों को अमेरिका में भी बाजार मिल सकता है।

अमेरिका की तरफसे साफकहा जा रहा है कि अब वह तेल और गैस जैसी चीजों का निर्यात बढ़ाना चाहता है। यह भारत की सबसे बड़ी जरूरत है और अमेरिका बाकी बाजार से बहुत महंगा तो बेच नहीं सकता। तो व्यापार बढ़ने में दोनों ही देशों का लाभ है, और ऊंची ड्यूटी की कीमत दोनों देशों में जनता को ही चुकानी पड़ेगी। ट्रंप टैरिफको सौदेबाजी के हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। अभी उन्होंने एक रुख दिखाया है। प्रधानमंत्री के न्योते पर कुछ समय बाद उन्हें भारत आना है। तब तक जमीन पर काफी कुछ बदल चुका होगा और दोनों तरफसे तैयारी भी हो चुकी होगी। उम्मीद करनी चाहिए कि तब वह कुछ ऐसी खुशखबरी लेकर आएंगे, जैसी इस दौरे के पहले भारत की तरफ से ड्यूटी घटाकर उनको दी गई थी।

ट्रंप खुद एक व्यापारी हैं और यह बात समझते हैं कि भारत और अमेरिका जैसे देश के बीच आज के हालात में बराबर का व्यापार तो शायद नहीं हो पाएगा। हां! बराबरी का व्यवहार अवश्य हो सकता है और इसकी उम्मीद दोनों ही देशों को रखनी चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भगदड़ से बचने के लिए भीड़ की ताकत समझना जरूरी

प्रदीप कुमार मुखर्जी, पूर्व प्रोफेसर एवं विज्ञान लेखक

भारत में कुछ ही दिनों के अंतर पर दो भगदड़ की घटनाओं ने सोचने पर विवश कर दिया है। प्रयागराज में भगदड़ की घटना और नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ से सबक लेना चाहिए। अब अपने विशाल आबादी वाले देश में आपदा प्रबंधन की तरह भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था और संहिता जरूरी हो गई है। भीड़ प्रबंधन की कमियों को दूर करने के साथ ही, लोगों को जागरूक करना चाहिए।

विदेश में भी भगदड़ से लोगों की जान जाती रही है। पिछला हादसा दक्षिण कोरिया की राजधानी सिओल का है, जहां 29 अक्तूबर 2022 को हैलोविन त्योहार के मौके पर 149 लोगों की जान चली गई, जिनमें अधिकतर किशोर और 20-30 वर्ष आयु के युवा शामिल थे। सन 2015 में मक्का के मीना भगदड़ में 2,400 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। अनियंत्रित भीड़ के कारण भगदड़ होना स्वाभाविक है, पर वैज्ञानिक रूप से इसे कैसे समझा जा सकता है? आइए, इस पर विचार करते हैं।

भीड़ की मनोदशा या 'मॉब मेंटालिटी' की बात अक्सर की जाती है। भीड़ में लोग अपना असली चरित्र भूलकर भीड़ जैसा ही व्यवहार करने लगते हैं। इससे भीड़ का दबाव बनता है, जिससे कई लोग गिर जाते हैं तथा दब और कुचल कर अपनी जान गंवा बैठते हैं। गौरतलब है कि प्रति वर्ग मीटर क्षेत्रफल में 3 से 4 लोगों का घनत्व होने पर उन्हें अपने हाथ-पैर चलाने अथवा सांस लेने में कोई परेशानी नहीं होती है, पर प्रति वर्ग मीटर क्षेत्रफल में अगर 5-6 या उससे अधिक लोग खड़े हो जाएं, तो इससे एक दबाव उत्पन्न होता है, जिसे भीड़-कंप या क्राउड क्वेक का नाम दिया जाता है। भीड़ के दबाव से, वैज्ञानिक रूप से एक तरंग की उत्पत्ति होती है, जिसे संघात तरंग या शॉक वेव का नाम दिया जाता है। असल में, भीड़ से एक हजार पौंड तक का दबाव उत्पन्न हो सकता है, जिसमें इस्पात की छड़ों को भी मोड़ने की क्षमता होती है।

भीड़ के दबाव यानी क्राउड क्वेक के कारण अनेक शारीरिक परेशानियां पैदा होती हैं। सांस लेने में तकलीफके कारण दिमाग को पूरी मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है, जिससे व्यक्ति बेहोश होकर गिर सकता है। इसके अलावा उसके दिल को भी पूरा ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है, जिससे उसे दिल का दौरा पड़ सकता है। भीड़ में फैली घबराहट और भीड़ के कारण उत्पन्न अत्यधिक गरमी भी व्यक्ति को बेहोश कर सकती है, जिससे वह गिर सकता है। ऐसी स्थिति में लोगों के हाथ-पैर और सिर आपस में टकरा या उलझ सकते हैं, जिससे हालात की गंभीरता और बढ़ जाती है। घबराहट के चलते भीड़ का धकियाते हुए भागना स्थिति को और बिगाड़ देता है। इससे लोग भीड़ में दब जाते हैं या भीड़ द्वारा कुचल दिए जाते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है। भीड़ में फंस कर दम घुट जाने से बेहोश हो जाना या दिल का दौरा पड़ना तो आम बात है ही, इस भागमभाग में दब या कुचल कर मर जाने के अलावा हड्डियां आदि भी टूट सकती हैं।

दुर्भाग्यवश कहीं भीड़ में फंसने पर कुछ एहतियाती उपायों का ध्यान रखने से जीवन रक्षा हो सकती है। सावधान, भीड़ की ताकत का कभी विरोध नहीं करना चाहिए। मतलब भीड़ के बढ़ने की विपरीत दिशा में जाने का प्रयास कभी नहीं करना चाहिए, अन्यथा गिरना तय है, जिससे जान जोखिम में पड़ सकती है। भीड़ के साथ कुछ तिरछे चलते हुए किनारे पर पहुंचने का प्रयास करना चाहिए। याद रहे, भीड़ को सीधे धकिया कर निकल जाना संभव नहीं।

भीड़ में गिरने से बचना चाहिए, नहीं तो उठकर खड़ा होना मुश्किल होगा। मोबाइल या कोई अन्य मूल्यवान वस्तु नीचे गिर जाने पर उसे उठाने के लिए झुकना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे जान को खतरा हो सकता है। दुर्भाग्यवश, भीड़ में गिर जाने पर बाईं करवट हो जाना चाहिए, जिससे दिल और फेफड़े सुरक्षित रहें; अथवा किसी भी करवट में, एक गेंदनुमा, मुड़ी हुई अवस्था में आ जाना चाहिए। सीने या पीठ के बल लेटने पर भीड़ द्वारा कुचले जाने की अधिक आशंका रहती है। गिर जाने पर हो सके, तो सिर को अपनी बाहों द्वारा सुरक्षित कर लेना चाहिए। इसे 'फीटस पोजीशन' कहते हैं, यानी वह स्थिति जिसमें एक गर्भस्थ शिशु सुरक्षित रहता है।

हालांकि, सबसे बेहतर है कि हम ऐसी कोई नौबत ही न आने दें। समझ जाइए कि अत्यधिक भीड़ बहुत बड़ा खतरा है, जिसमें शामिल होने से बचाना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

शिक्षा का असली उद्देश्य ज्ञानार्जन

रजनीश कपूर

आवश्यक है कि विद्यालयों में गुणवत्ता सुधार के साथ-साथ परीक्षाओं में सफलता का मूल्यांकन केवल अंकों के आधार पर न किया जाए, बल्कि छात्रों की संपूर्ण योग्यता और कौशल को ध्यान में रखा जाए। जब शिक्षा का असली उद्देश्य ज्ञानार्जन बनेगा, तभी समाज का वास्तविक विकास संभव होगा। देश में वार्षिक परीक्षाएँ छात्रों के भविष्य को निर्धारित करने का प्रमुख माध्यम हैं। लेकिन हाल के वर्षों में, शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञान अर्जन से हटकर केवल उच्च अंक प्राप्त करने तक ही सीमित होता जा रहा है। खासकर देहाती क्षेत्रों के विद्यार्थी अब नियमित कक्षाओं में पढ़ने की बजाय कोचिंग सेंटरों पर अधिक निर्भर होते जा रहे हैं, क्योंकि वहाँ कम समय में अधिक अंक प्राप्त करने के आसान तरीके बताए जाते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल शिक्षा प्रणाली को प्रभावित कर रही है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के समग्र विकास के लिए भी एक चुनौती बनती जा रही है। देश के गाँवों के छात्रों में एक नई होड़ देखी जा रही है। देहाती छात्र काफ़ी मात्रा में विद्यालय से विमुख हो रहे हैं। इसके पीछे शिक्षा प्रणाली की कई खामियाँ ज़िम्मेदार मानी जा सकती हैं। इनमें अहम हैं ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की कमी, कमजोर आधारभूत संरचना और अपर्याप्त शिक्षण सामग्री के कारण विद्यार्थी नियमित कक्षाओं में रुचि नहीं लेते। इसके अलावा कोचिंग संस्कृति का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि छात्रों को लगता है कि विद्यालय में पढ़ने की तुलना में कोचिंग सेंटरों में परीक्षा के लिए विशेष तरीके सिखाए जाते हैं। जिससे वे कम समय में अधिक अंक प्राप्त कर सकते हैं। यह धारणा दिन ब दिन बढ़ती जा रही है।

इतना ही नहीं गाँव के भोले भाले युवकों को लुभाने की मंशा से कई कोचिंग सेंटर यह दावा भी करते हैं कि वे छात्रों को परीक्षा में अधिक अंक दिलाने में मदद करेंगे। जिससे अभिभावक भी अपने बच्चों को विद्यालय भेजने की बजाय कोचिंग में दाखिला दिलाने के लिए प्रेरित होते हैं। ऐसे में यदि शिक्षक भी उदासीन रवैया अपनाना शूर कर दें तो वह आग में घी का काम करता है। ऐसा भी देखने में आया है कि ग्रामीण इलाक़ों के कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी या उनकी लापरवाही के कारण कक्षाओं का स्तर गिरता जा रहा है। ऐसे में छात्र कोचिंग का विकल्प चुनने को मजबूर हो जाते हैं। आज से कई वर्ष पूर्व थ्री इडिअट्स' फ़िल्म में भी यह दिखाया गया था कि अधिक अंकों की होड़ का छात्रों पर काफ़ी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जबकि होना यह चाहिए कि अगर हर नौजवान को अपने दिल की आवाज सुनकर अपनी जिंदगी की राह तय करनी चाहिए। यदि वो अइस करता है तो वह खुश भी होता है और सही मायने में सफल भी। केवल ज्यादा पैसे कमाने के लिए बिना समझे रट्टा मारने वाले कोल्हू के बैल ही होते हैं। जिनकी जिंदगी में रस नहीं आ पाता।

केजरीवाल और आप का राजनीति का नशा उतरा

अनिल चतुर्वेदी

कहते हैं वक्त खराब हो तो ऊँट पर बैठे आदमी को भी कुत्ता काट लेता है। दिल्ली विधानसभा के इन चुनावों में लगता है अरविंद केजरीवाल केजरीवाल और उनकी पार्टी आप के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ दिखा। दिल्ली में लोगों और ख़ासकर महिलाओं को केजरीवाल ने जो सुविधाऐं मुहैया कराई उनसे ज़्यादा उन्होंने भविष्य में मिलने का वादा की गईं सुविधाओं पर भरोसा कर भाजपा को उम्मीद से ज़्यादा वोट दिए।

या यूँ कहिए कि मोदी है तो मुमकिन हुआ पर साथ ही यह भी नहीं भूलना चाहिए कि आप पार्टी के पिछले तीन चुनावों से मोदी प्रधानमंत्री हैं पर तब क्यूं नहीं मोदी मुमकिन कहना सार्थक हो सका ।

तभी इन चुनावों में केजरीवाल की हार के बाद यह कहावत भी सटीक है कि वक्त तो ऊँट पर बैठा नेता केजरीवाल चुनाव हार गए।

दिल्ली में महिलाओं को मिल रहीं सुविधाएँ गर्भ में चलीं गई भविष्य में मिलने वाली सुविधाओं पर भरोसा हुआ और ऐसा कि एक दशक से सत्ता में बैठे केजरीवाल और उनकी पार्टी का राजनीति का नशा उतर गया। महिलाओं ने पुरुषों से कहीं अधिक वोट भाजपा डाल जता दिया कि केजरीवाल को देखलिया अब भाजपा को देखेंगे। महिलाओं ने जहां 61.92 फ़ीसद वोट डाले वहीं पुरूषों ने 60.21 ही वोट डाले। यही नहीं वोटिग में भी महिलाएँ आगे रहीं।

तभी कहा जा रहा है कि भाजपा की इस जीत में महिला फ़ैक्टर ज़्यादा रहा। अब भले 2020 के चुनाव में आप पार्टी ने महिलाओं को बसों में मुफ़्त यात्रा सुविधा दी और यह आप की जीत का आधार बना था।

और इस बार भी महिलाओं की लिए सुविधाओं का पिटारा खुलना था जिसमें फ़्री बस के अलावा महिला सम्मान योजना में 2100 रूपये हर महीने देने का वादा था। यही नहीं कांग्रेस की तरफ़ से भी 2500 रूपये हर महीने देने का वादा था और साथ ही गरीब महिलाओं को 500 में सिलेंडर के अलावा त्योहार पर पर फ़्री गैस सिलेंडर के अलावा 2100 रूपये भी देने का वादा था। लेकिन भाजपा की ओर से बुजुर्गों को पेंशन,2000 रूपये हर महीने से बढ़ाकर 2500 के अलावा पेंशन राशि बढ़ाने के साथ ही झुग्गी बस्ती में अटल कैंटीन और फिर मोदी की गारंटी पर पर ज्या भरोसा कर भाजपा के लिए वोट दिए। और भाजपा ने 70 में 48 सीटें जीतीं।

भला हो दिल्ली के लोगों और ख़ासकर महिलाओं का कि भाजपा उनसे किए गए वादें को पूरा करें और अगले चुनावों के लिए अपनी ज़मीन पक्की पर अगर इन वादों और केजरीवाल की योजनाओं को जारी रखने का वादा पूरा करने की बजाए इन्हें पिछले चुनावी वादों की तरह चुनावी जुमला करार दे दिया गया तो क्या तो होगा वादों का और कैसे कहेंगे लोग कि मोदी है तो मुमकिन है। विधानसभा चुनावों में 70 सीटों में से 48 सीटें जीतने वाली भाजपा के सामने अब दिल्ली का मुख्यमंत्री चुनने की चुनौती है। यूँ सीएम बनने की चाहत में दिल्ली भाजपा के पुराने और धुरंधर नेता चुनाव जीतने के बाद से गणेश पर्क्रिमा लगे हैं।

माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के फ्ऱांस और अमेरिका के दौरे के बाद यानी 15 फऱवरी तक सीएम के नाम का एलान हो सकेगा। और जीते हुए विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह भी इसी दौरान होगा।

कहा जा रहा है कि सीएम बनाते समय बिहार और फिर यूपी में होने वाले चुनावों में पार्टी की चुनौतियों को भी ध्यान रखा जाना है।

इस हिसाब से सांसद मनोज तिवारी भी इस क़तार में माने जा रहे हैं। जबकि दावा अरविंद केजरीवाल को नई दिल्ली से हराने वाले प्रवेश वर्मा के समर्थक भी दबाव बनाए हुए हैं।

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क – शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

स्मृति नगर हाउसिंग बोर्ड में निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भिलाई। बीएसपी का निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग एवं बालको मेडिकल सेंटर, नया रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में एक निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन 15 फरवरी 2025 को स्मृति नगर हाउसिंग बोर्ड भिलाई के मंगल भवन में किया गया। इस शिविर का उद्देश्य स्थानीय समुदाय में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव पाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में राजीव चैबे, अमित देशमुख,संदीप रामटेके, रीता तिवारी, आरती अरोरा, स्मिता राय उपस्थित रहे। बालको कैंसर जांच टीम में डॉ. राजेंद्र पटेल, डॉ. हेमलता, पुनीत तिवारी, अभिलाश, अंकिता, संजना और सीएसआर मेडिकल टीम से डॉक्टर निशि मिंज, फार्मेसिस्ट गौर, नर्स प्रभा सैमुअल ने बीपी, शुगर की जांच की। साथ ही पंजीकरण का कार्य शंभू दयाल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान विभाग की ओर से बुधेलाल और आशुतोष सोनी भी उपस्थित रहे। इस शिविर में कुल 34 मरीजों की जांच की गई, जिनमें 18 पुरुष और 16 महिलाएं शामिल थीं। मरीजों को दवाइयों का भी वितरण किया गया। इसके अलावा, कैंसर परीक्षण शिविर में कुल 39 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें से 5 मरीजों को आगे के परीक्षण के लिए बालको मेडिकल सेंटर रायपुर में आने के लिए कहा गया। कार्यक्रम का सफल संचालन उपप्रबंधक के के वर्मा जी द्वारा किया गया। शिविर में बाल्को मेडिकल सेंटर और भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें विभाग के विशेषज्ञ, चिकित्सक, बीएसपी–सीएसआर के अधिकारियों के साथ उपस्थित थे।

सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में अभिषेक, महाआरती, प्रसादी एवं आतिशबाजी के साथ मनाया गया मंदिर का विशेष दिन

दुर्ग। श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा दुर्ग में माता जी की विशाल प्रतिमा की प्राणप्रतिष्ठा को आज 15 फरवरी को दिनाँक अनुसार 15 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज मंदिर में विशेष आयोजन आयोजित किया गया। श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा, दुर्ग का दिनाँक अनुसार 15 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 1 दिवस का विशेष आयोजन रखा गया है। समित्ति के राहुल शर्मा ने बताया कि प्रातः 9 बजे मन्दिर के मुख्य पुजारी सुनील पांडेय द्वारा माता जी का विभिन्न औषधियों एवं सामग्री से महाअभिषेक, हवन, पूजन एवं आरती कराई गयी, जिसमें श्रीमति सरिता राजेश शर्मा मुख्य यजमान थे। संध्या 7 बजे 108 पूजा थाल एवं 108 दीपों से माता जी की महाआरती की गयी, जिसमें सभी उपस्थित धर्मप्रेमियों ने अपने हाथों में आरती की थाल लेकर माता जी की आरती किये खीचड़ी, हलवा, मिष्ठान, एवं केक का प्रसाद वितरण किया गया। मन्दिर के 15 वे वर्ष होने के अवसर पर आकर्षित आतिशबाजी की गयी, एवं मन्दिर परिसर में समिति के सदस्य गण, धर्मप्रेमी एवं उपस्थित जन मधुर भजनों के संग नाचते गाते रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने स्नेह संपदा विद्यालय में दिव्यांग बच्चों के लिए नए शैक्षणिक भवन का उद्घाटन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र ने निगमित सामाजिक गतिविधियों के तहत 15 फरवरी 2025 को स्नेह संपदा विद्यालय में एक नवनिर्मित शैक्षणिक भवन विद्यालय प्रबंधन को हस्तांतरित किया। कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने इस नवनिर्मित शैक्षणिक भवन का उद्घाटन किया। इस भवन में चार सुसज्जित कक्षाएँ और भवन के दोनों ओर दो ऐसे शौचालय हैं जिन्हें मानसिक रूप से अक्षम बच्चों की विषेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इन शौचालयों में कम ऊँचाई पर शीशे और वॉशबेसिन, ग्रैब रेल और व्हीलचेयर हेतु सुलभता जैसी सुविधाएँ शामिल हैं।

नव–निर्मित समावेशी कक्षाएँ मानसिक रूप से अक्षम बच्चों के शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करेंगी और उनके लिए एक सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण तैयार करेगी, जिससे उन्हें अपनी गति और शैली के अनुसार सीखने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर स्नेह संपदा विद्यालय की संस्थापक पुष्पा शिर्के, मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता, महाप्रबंधक विष्णु के पाठक, महाप्रबंधक शिवराजन नायर, महाप्रबंधक शिखा दुबे, महाप्रबंधक डॉ. एन.के. जैन, उप महाप्रबंधक राजीव कुमार, सहायक महाप्रबंधक अभिषेक झा, उप प्रबंधक के के वर्मा सहित विद्यालय के कर्मचारी, छात्र–छात्राएं व उनके पालकगण और सीएसआर तथा टीएसडी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेषक पवन कुमार ने विद्यालय प्रबंधन को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि अक्षम बच्चों का पालन–पोषण करने के लिए बहुत साहस, धैर्य और समर्पण की आवश्यकता होती है। श्री कुमार ने कहा कि मुझे यह जानकर अत्यंत खुशी हो रही है कि हम इस संस्थान की सहायता कर सके, जो मानसिक रूप से अक्षम बच्चों की जरूरतों को पूरा करता है। स्थापना काल से ही सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र, स्नेह संपदा विद्यालय का सहयोग करता आ रहा है और भविष्य में भी करता रहेगा। श्री कुमार ने विद्यालय के छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की और सभी से अपील की कि वे अक्षम बच्चों को हर संभव सहायता और सहयोग प्रदान करें, ताकि वे समाज में स्वयं को औरों से अलग महसूस न करें।

मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता ने कहा कि जब से वे सेल–बीएसपी में शामिल हुए और भिलाई में रहने लगे, तब से उन्होंने स्नेह संपदा विद्यालय को मानसिक रूप से अक्षम बच्चों के लिए बहुत ही सराहनीय कार्य करते देखा है, जिन्हें हमारे प्रेम, समर्थन और सहयोग की विषेष आवष्यकता होती है। उन्होंने कहा कि नगर सेवाएं विभाग उनके भविष्य के प्रयासों में हर संभव सहयोग प्रदान करेगा।

इस कार्यक्रम के प्रारंभ में स्नेह संपदा विद्यालय की संस्थापक श्रीमती पुष्पा शिर्के ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विद्यालय के इतिहास और गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि, मैं स्नेह संपदा विद्यालय के लिए सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन के सहयोग हेतु हृदय से आभारी हूँ, जो 1991 से विद्यालय के विकास कार्यों में सहयोग प्रदान करता आया है।

सहायक महाप्रबंधक (सीएमएम) व स्नेह संपदा विद्यालय के स्वयंसेवक संदीप गुप्ता ने विद्यालय की वर्तमान गतिविधियों और आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यालय के छात्रों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण की शुरुआत और आगामी फिजियोथेरेपी केंद्र के बारे में भी बताया, जिसे सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग, बीएसपी–ऑफिसर्स एजुकेशन और वेलफेयर ट्रस्ट तथा सेवा फाउंडेशन के सहयोग से स्थापित किया जाएगा।

उप प्रबंधक सुखदेव सोनवानी ने नवनिर्मित शैक्षिक भवन के उद्घाटन समारोह का संचालन किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। यह उल्लेखनीय है कि सेक्टर–8, भिलाई में स्थित स्नेह संपदा विद्यालय, मानसिक रूप से अक्षम बच्चों के कल्याण के लिए समर्पित है। इस विद्यालय की स्थापना 1 नवंबर 1991 को की गई थी जिसका उद्देश्य इन बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें समाज में समान दर्जा उपलब्ध करना है। अगस्त 1994 में भिलाई इस्पात संयंत्र ने सेक्टर 8 में स्थित एक पुराने विश्राम गृह को लीज पर इस विद्यालय की स्थापना के लिए दिया था। विद्यालय में शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, शारीरिक शिक्षा, योग, खेलकूद और दैनिक जीवन के कार्यों के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस विद्यालय के बच्चों ने ओलंपिक में भाग लेकर पदक जीतने में भी सफलता प्राप्त की हैं। यह विद्यालय, बच्चों के अभिभावकों को भी उनका बच्चों का समर्थन व उत्तम परवरिष करने के लिए प्रशिक्षित करता है।

राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए भिलाई इस्पात संयंत्र ने निदेशक प्रभारी को सौंपा पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र को मानव संसाधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 6 फरवरी को 'गोल्डन पीकॉक एचआर एक्सीलेंस अवार्ड – 2024' से सम्मानित किया गया। साथ ही संयंत्र को 'हेरिटेज साइट देवबलोदा के विकास और जीर्णोद्धार' के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा भी सम्मानित किया गया। इन दोनों पुरस्कारों को 15 फरवरी, 2025 को डीआईसी मिनी कॉन्फ्रेंस हाल में आयोजित एक कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता को सौंपा गया।

इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी.के. गिरी, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार और कार्यपालक निदेशक डॉ. एम. रवींद्रनाथ उपस्थित थे। साथ ही मुख्य महाप्रबंधक निशा सोनी, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता, महाप्रबंधक शिवराजन नायर, महाप्रबंधक एच. शेखर, महाप्रबंधक अतुल नौटियाल, महाप्रबंधक अजय कुमार, महाप्रबंधक दीपांकर रे, उप महाप्रबंधक राजीव कुमार और वरिष्ठ प्रबंधक राजीव जाजू भी उपस्थित थे।

6 फरवरी को भिलाई इस्पात संयंत्र को 'गोल्डन पीकॉक एचआर एक्सीलेंस अवार्ड - 2024' भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और सह–अध्यक्ष उदय उमेश ललित के हाथों मुंबई में आयोजित गोल्डन पीकॉक अवार्ड समारोह में भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने अपनी बीएसपी टीम के साथ प्राप्त किया था।

इसके अलावा, संयंत्र को 'हेरिटेज साइट देवबलोदा के विकास और जीर्णोद्धार' के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के हाथों 17 जनवरी को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। इसे कार्यपालक निदेशक पवन कुमार और महाप्रबंधक शिवराजन नायर ने प्राप्त किया था।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेषक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ एम रविन्द्रनाथ ने जानकारी देते हुए बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र के पं जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र को एनएबीएच की मान्यता प्राप्त की। यह सेल का पहला चिकित्सालय है जिसने यह उपलब्धि प्राप्त की। इन पुरस्कारों पर गर्व व्यक्त करते हुए निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। भिलाई इस्पात संयंत्र ने न केवल उद्योग में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित किए हैं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में भी अपनी सक्रियता का परिचय दिया है।

बीएसपी नगर सेवा विभाग के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी अनुभाग की उल्लेखनीय उपलब्धि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी अनुभाग ने सेंट्रल एवेन्यू में सड़क यातायात को बाधित किए बिना लगभग 40 मीटर सीवरेज पाइपलाइन को बदलकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। आंतरिक संसाधनों के सहयोग से नगर सेवाएं विभाग के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी अनुभाग ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को पूरा किया।

विदित हो कि सुपेला सीवरेज पंप हाउस से 30 एमएलडी प्लांट को जाने वाली 700 मिमी व्यास की पाइपलाइन से गत दिनों 2.5 मिलियन टन चैक के पास सेक्टर 4 की तरफ रोड के किनारे से सीवरेज के पानी का भारी रिसाव हो रहा था। रिसाव के कारण की जांच के लिए सेंट्रल एवेन्यू सड़क के दोनों किनारों में पाइपलाइन के कुछ हिस्सों को खोदने पर पाया गया कि पाइपलाइन सेंट्रल एवेन्यू सड़क के बीच में कहीं पर फटा है। सेंट्रल एवेन्यू सड़क की खुदाई करने से सड़क के क्षतिग्रस्त होने के साथ–साथ यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होता। नगर प्रशासन ने पीएचई विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर मुख्य सड़क को खोदे बिना पाइपलाइन बदलने की योजना बनाई। सड़क के हिस्से में पाइपलाइन के सपोर्ट के लिए केसिंग डालकर पाइपलाइन को छोटे टुकड़ों में काटकर उसकी जगह नई पाइपलाइन जोड़कर दूसरी तरफ से पाइपलाइन को खींचते हुए कार्य करने की योजना बनाई गई।

वर्तमान में समूचे सड़क के हिस्से की पुराने पाइपलाइन को बाहर निकाल कर लगभग 40 मीटर की पूर्णतः नई पाइपलाइन स्थापित की गई। जिससे भविष्य में बार–बार सड़क के हिस्से को खोदने या पाइप बदलने की कवायद ना करना पड़े। पिछले 15 दिनों पूर्व यह कार्य शुरू किया गया था। पाइपलाइन मरम्मत का पूरा कार्य पी एच ई विभाग की वर्कशॉप की टीम द्वारा आंतरिक संसाधनों से पूरा किया गया है। पूर्व में सेक्टर 4 एरिया के पाइपलाइन की भी मरम्मत की गई थी। 700 एमएम की पाईप लाईन की मरम्मत का कार्य 1000 एमएम की केसिंग पाइप लाइन पुशिंग तकनीक जैक के द्वारा किया गया था।

गीला व सूखा कचरा अलग रखने जागरूक कर रही निगम की टीम

गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करना ज़रूरी है क्योंकि इससे पर्यावरण की सुरक्षा होती हैः कमिश्नर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा आज स्टेशन रोड सुबह निरीक्षण के दौरान कचरा गाड़ी को रोककर देखा कि कचरा अलग किया जा रहा है या नहीं।उन्होंने कहा कि गीले और सूखे कचरे को अलग–अलग करना ज़रूरी है क्योंकि इससे पर्यावरण की सुरक्षा होती है।

कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने कहा कि डोर–टू–डोर संपर्क कर स्वच्छता अपनाने के लिए हर घर, व्यापारिक प्रतिष्ठान व संस्थानों को प्रेरित किया जा रहा है।छोटी गुमटियों से लेकर बड़े होटल, मोहल्ले के घरों और कॉलोनियों को भी कचरे के पृथक्करण के लिए निरंतर समझाईश दी जा रही हैं। जोन स्तर पर स्वच्छता दीदीयों को यह जिम्मेदारी दी गई है कि निरंतर लोगों को इस संबंध में अवगत कराएं, इस हेतु प्रत्येक जोन स्तर पर स्वच्छता महिलाओं को दायित्व सौंपा गया है,जो लापरवाही बरतने वालों पर जुर्माने की कार्यवाही भी सुनिश्चित करेंगी। शहर के गली मोहल्ले सहित अन्य सार्वजनिक व व्यापारिक उपक्रम भी नगर निगम को साथ दें रहे है। कचरा पृथक्करण और सूखे एवं गीले कचरे के तौर पर शामिल अपशिष्टों के संबंध में अवगत कराया जा रहा है कि हरा डस्टबिन में गीला कचरा, जिसमें रसोई का कचरा, फल के छिलके, सड़े फल एवं सब्जी, बचा भोजन, अंडे के छिलके आदि रखा जाना चाहिए एवं नीला डस्टबिन में प्लास्टिक, बोतलें, कागज कप, प्लेट, पैकेट अखबार, डिब्बे, बॉक्स, पुराने कपड़े आदि रखें।

स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा द्वारा बताया गया कि निगम द्वारा घर–घर से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को अलग–अलग दिए जाने हेतु नगर निगम की स्पेशल टीम द्वारा नागरिकों के घर–घर पहुंच कर निरीक्षण किया जा रहा है कि घर से कचरा लेते समय लोगों के द्वारा गीले एवं सूखे कचरे को अलग–अलग डिब्बे में दिया जाता है या नहीं। नागरिकों के द्वारा अलग–अलग नहीं दिए जाने पर उन्हें कर्मचारियों के माध्यम से परीक्षण और समझाया जा रहा है यह भी बताया जा रहा कि गीले कचरे कौन–कौन से होते है और सूखे कचरे कौन–कौन से प्रतिदिन 500 घरों में जाकर सोर्स सेग्रीगेशन पर बढ़ावा और होम कंपोस्टिंग में बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है जन जागरूकता लाई जा रही है फीडबैक लिया जा रहा है घरों का कचरा घर में ही निपटने के होम कम्पोस्टिंग किस प्रकार किया जाता है यह भी समझाया जा रहा है।गीला व सूखा कचरा अलग रखने जागरूक कर रही निगम की टीम, स्वच्छता में दुर्ग को शीर्ष पर लाने नगर निगम ने शुरू की मुहिम।

प्रतिदिन 500 घरों में जाकर सोर्स सेग्रीगेशन पर बढ़ावा और होम कंपोस्टिंग में बढ़ावा देने लोगों को प्रेरित किया गया। मोर स्वच्छ दुर्ग शहर के तौर पर दुर्ग की रैंकिंग को शीर्ष पर लाने नगर निगम द्वारा घर, प्रतिष्ठान व संस्थानों से निकलने वाले कचरे को अलग–अलग रखने पर जोर देते हुए जन जागरूकता के माध्यम से सूखे एवं गीले कचरे को पृथक कर ही कचरा संग्रहण वाहनों में देने की समझाइश देकर इसकी शुरुआत की गई है। कमिश्नर सुमित अग्रवाल के निर्देश पर हर घर से कचरे को अलग रखने के अभियान लगातार शुरूआत हो चुकी है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

पेयजल आपूर्ति और सफाई व्यवस्था कायम करना होगी सर्वोच्च प्राथमिकता - मीनल चौबे

रायपुर। नगर निगम चुनाव में अब तक का रिकार्ड तोड़ते हुए सर्वाधिक मतों लगभग डेढ़ लाख से भी अधिक मतों से जीतने वाली महापौर मीनल चौबे ने अनौपचारिक चर्चा के दौरान बताया कि रायपुर शहर को पेयजल आपूर्ति एवं सफाई व्यवस्था कायम कर सुंदर राजधानी बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। 15 साल के कांग्रेस के कुशासन के बाद नगर निगम में महापौर बनी मीनल चौबे से शहर की जनता को काफी आशाएं है उन्होंने कहा कि यह जीत भाजपा कार्यकर्ताओं की है। वरिष्ठ नेताओं की मार्गदर्शन में रणनीति बनाकर चुनाव लड़ने से ही उन्हें बड़े भारी मतों से जीत मिली है। उन्होंने कहा कि प्रथम नागरिक बनते ही लोगों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना एवं प्रतिदिन आम लोगों से मिलकर उनकी समस्या सुलझाने पर उनका फोकस रहेगा। शुभ मुहूर्त देखकर वे महापौर पद का पदभार एवं कार्यभार ग्रहण करेंगी। प्रथम दिन ही कामकाज की समीक्षा के साथ लंबित मामलों पर उनकी चर्चा अधिकारियों से होगी। उसके बाद योजना बनाकर एक एक कर सभी समस्या का समाधान किया जाएगा। रायपुर को सफाई व्यवस्था के मामले में टाप टेन पर लाने के लिए जोनवार जिम्मेदारी तय करूंगी। निर्माण कार्य जो लंबित है उसे शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा। वार्ड पार्षदों के साथ मिलकर वहां व्याप्त समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाएगा।

विधानसभा बजट सत्र 24 से, पक्ष-विपक्ष ने लगाए 1 हजार से ज्यादा सवाल

रायपुर । छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र 24 फरवरी से शुरू होगी। इस दौरान बजट सत्र में 17 बैठकें होगी। सत्र के दौरान सरकार वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेगी। इसके लिए विधायकों ने सवाल लगाना शुरू कर दिया है। सत्तापक्ष और विपक्ष के विधायकों ने 1 हजार 862 सवाल लगाए हैं। अधितम विधायकों ने ऑनलाइन सवाल लगाए हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के लिए 943 तारांकित, 871 आतंकित सवाल लगाए गए हैं। विधानसभा का बजट सत्र हंगामों से भरा रहेगा सत्र के दौरान राज्यपाल रमेन डेका का अभिभाषण होगा।वहीं 21 मार्च को विधानसभा का बजट सत्र खत्म होगा।

ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन के नए जिला अध्यक्ष बने वसीम खान

रायगढ़। रविवार को ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन के मुख्यालय रायपुर में प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिराज, प्रदेश उपाध्यक्ष तथा बिलासपुर संभाग प्रभारी जुबेर महमूद खान एवं बिलासपुर संभाग अध्यक्ष शेख अतहर हुसैन की उपस्थिति में ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन रायगढ़ के नए जिला अध्यक्ष के रूप में वसीम खान एवं जिला सचिव वारिस खान की नियुक्ति की गई। वसीम खान रायगढ़ के एक जाने पहचाने सक्रिय मुस्लिम नेता वा सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर जाने जाते हैं। वे राजनीति के साथ सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय भागीदारी निभाते चले आ रहे हैं। यही वजह है कि उन्हें ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन का रायगढ़ जिला अध्यक्ष चुना गया है। वसीम खान को ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन का अध्यक्ष बनाए जाने की खबर से हर्ष का माहौल निर्मित हो गया है। विदित हो कि छत्तीसगढ़ में ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन प्रदेश स्तर पर हमेशा सामाजिक कार्य जैसे ब्लड डोनेशन कैंप, मेडिकल कैंप, विवाह के योग्य युवक युवतियों का निशुल्क सामूहिक परिचय सम्मेलन, इज्तेमाई निकाह (सामूहिक विवाह)नन्हें रोजेदार ,अज़ान कॉपमिटीशन, शिक्षा के क्षेत्र में लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए कलम का लंगर एवं आधुनिक शिक्षा के साथ साथ दीनी तालीम को बढ़ावा देने के लिए रायपुर के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में फाउंडेशन के द्वारा चलाई जा रही द सीड्स इंग्लिश मीडियम स्कूल जिसकी ब्रांचेस खोलने की तैयारी है जिससे शिक्षा के क्षेत्र में अन्य समाज के साथ मुस्लिम समाज का नींव भी मजबूत हो सके। जिलाध्यक्ष के रूप में दायित्व संभालने के बाद वसीम खान एवं सचिव वारिस खान ने ऑल मुस्लिम वेलफेयर फाउंडेशन के कार्यक्रमों के जरिए समाज के हित में हर मुमकिन कोशिश करने का अहद लिया।

छत्तीसगढ़ का अनमोल खजाना

293 मिलियन साल पुराने समुद्री जीवाश्मों का राज खोलता गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर छत्तीसगढ़ में घूमने-फिरने के लिए कई शानदार जगहें हैं। ऐसा ही एक प्लेस है जिसका नाम गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में स्थित यह पार्क एशिया का सबसे बड़ा समुद्री जीवाश्म उद्यान है, जो पृथ्वी के 293 मिलियन साल पुराने इतिहास की झलक दिखाता है।

यह वह दौर था जब आज का यह भूभाग एक ठंडे समुद्र के नीचे डूबा हुआ था। यह जीवाश्म पार्क केवल अतीत की कहानी नहीं बताता, बल्कि भारत की भूगर्भीय विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का अवसर भी प्रदान करता है।

छत्तीसगढ़ सरकार इस अनमोल धरोहर को दुनिया के सामने लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे यह स्थान वैज्ञानिक पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो सके। इस पार्क की खोज 1954 में भूवैज्ञानिक एसके घोष ने कोयला खनन के दौरान की थी। इसकी खासियत न सिर्फ इसका विशाल क्षेत्रफल है, बल्कि यह भारत का एकमात्र ऐसा समुद्री जीवाश्म पार्क है जिसे राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारक का दर्जा प्राप्त है। यहां से द्विपटली (बायवेल्व) जीव, गैस्ट्रोपॉड, ब्रैकियोपॉड, क्रिनॉइड और ब्रायोज़ोआ जैसे समुद्री जीवों के जीवाश्म मिले हैं। ये जीवाश्म तालचिर संरचना से संबंधित हैं, जो पर्मियन युग के शुरुआती दौर को दर्शाते हैं।

शोधकर्ताओं का मानना है कि यह क्षेत्र समुद्री जलस्तर में अचानक हुई वृद्धि के कारण समुद्र में डूब गया था। ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र का जलस्तर बढ़ा और इस क्षेत्र में समुद्री जीवन का जमाव हुआ। बाद में जब जलस्तर घटा, तो ये समुद्री जीव चट्टानों में दब गए और लाखों वर्षों में जीवाश्म के रूप में बदल गए। गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क केवल छत्तीसगढ़ या भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण भूवैज्ञानिक स्थल है। ऐसे ही जीवाश्म ब्राजील के पराना बेसिन, ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स, अंटार्कटिका के अलेक्जेंडर आइलैंड और दक्षिण अफ्रीका के कारू बेसिन में भी पाए गए हैं। यह पार्क गोंडवाना महाद्वीप के भूगर्भीय इतिहास को समझने में अहम भूमिका निभाता है।

संरक्षित करने छत्तीसगढ़ सरकार के ठोस कदम

बदलते मौसम और मानवीय गतिविधियों के कारण इस जीवाश्म उद्यान को नुकसान पहुंचने का खतरा है। इसे संरक्षित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। अगस्त 2021 में बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफपैलियोसाइंसेज के वैज्ञानिकों, छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड और वन विभाग के अधिकारियों ने इस क्षेत्र का निरीक्षण किया था। मार्च 2022 में छत्तीसगढ़ वन विभाग ने इसे राज्य का पहला मरीन फॉसिल पार्क घोषित किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार इस जीवाश्म पार्क के विकास के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। इसके सौंदर्यीकरण के लिए 41.99 लाख रुपये स्वीकृत किए गए है।

कांकेर जिले के 5 हजार छात्रों ने दी राष्ट्रीय सह साधन प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सह-साधन प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में जिले से रिकार्ड 5185 छात्रो ने परीक्षा में शामिल हुए। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देश पर जिले में अध्ययनरत कक्षा 8वीं के छात्रों से परीक्षा फार्म भरवाया गया था। इन छात्रों को माह अगस्त 2024 से ही परीक्षा की तैयारी कराई जा रही थी , इसके लिए जिला प्रशासन ने प्रारंभ से ही प्रधानाध्यापकों की बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन किया था।

प्रशिक्षण में एनएमएमएसई परीक्षा के गाईडलाईन की जानकारी दी गई जिसके अनुसार जिले में अध्ययनरत एवं अर्हताधारी कुल 5225 छात्र पंजीकृत हुए जिनमें से 5185 बच्चों ने परीक्षा दी, इनमें से केवल 40 छात्र अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि छात्रवृत्ति परीक्षा हेतु छात्रों की संख्या को ध्यान में रखते हुए जिले में कुल 15 परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। उन्होंने बताया बताया कि विकासखंड अंतागढ़ में पंजीकृत 502 एवं उपस्थित 496, भानुप्रतापपुर 690 पंजीकृत उपस्थित 681, चारामा में पंजीकृत 919 एवं उपस्थित 913, दुर्गुकोंदल में पंजीकृत 676 एवं उपस्थित 674, कांकेर 745 पंजीकृत एवं 732, कोयलीबेडा पंजीकृत 793 उपस्थित 793, नरहरपुर पंजीकृत 900 उपस्थित 896 विद्यार्थी रहे। एनएमएमएसई परीक्षा हेतु केवल वही छात्र भाग ले सकता है जो शासकीय विद्यालय में पढाई कर रहा हो तथा जिसके पालक की आय 2.50 लाख से अधिक ना हो। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक अगामी 4 वर्षों तक प्रति माह एक हजार रूपये छात्रवृत्ति प्राप्त होता है अर्थात एक वर्ष में 12 हजार तथा 4 वर्ष में 48 हजार का लाभ प्राप्त होता है। विगत 2023 में जिले से 135 छात्र व 2024 में 526 छात्र उत्तीर्ण हुए है। छात्रवृत्ति प्राप्त होने से यह बच्चे आगामी वर्षों में हायर सेकंडरी तक अपने पढ़ाई का खर्च भी वहन हो जाता है साथ ही उन्हें प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु सहयोग भी प्राप्त हो जाता है। यह परीक्षा भारत सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है जिसे पूर्व में एससीईआरटी परीक्षा आयोजित करती थी किन्तु इस सत्र से माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने सत्र प्रारंभ होने के साथ ही प्रधानाध्यापकों की बैठक आयोजित कर बच्चों को ओएमआर शीट के माध्यम से परीक्षा की जानकारी देने तथा सम्पूर्ण साल भर प्रैक्टिस करने के निर्देश दिये थे। इसके लिए विगत दस वर्षों के प्रश्न पत्र विद्यालयों को उपलब्ध कराया गया है और जिला स्तर से प्रश्न पत्र व ओएमआर सेट प्रेषित कर 8 से 10 बार मॉक टेस्ट आयोजित कर प्रैक्टिस कराई गई है नियमित मूल्यांकन किया गया। समय समय पर बैठक विकासखंड स्तर पर आयोजित किया गया साथ ही कमजोर छात्रों का चिन्हांकन कर उन्हे परीक्षा हेतु तैयार किया गया। नियमित मानिटरिंग एवं सुपरविजन कर अपेक्षित परीणाम लाने का प्रयास विभाग द्वारा किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को गति देने भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को वोट दें : सीएम साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव - 2025 के लिए मतदाताओं से भारतीय जनता पार्टी समर्थित प्रत्याशियों को वोट देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के प्रथम चरण के अंतर्गत प्रदेश के 53 विकासखंडों में कल वोट डाले जाएंगे। जिस तरह हम मोदी की गारंटी के सभी वादों को पूरा कर रहे हैं, ठीक उसी तरह हम ग्रामीण क्षेत्रों के समुचित विकास के लिए जारी कार्यों को और अधिक गति प्रदान करेंगे। इसलिए भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाएं।

सीएम साय ने कहा कि मोदी की गारंटी के तहत हमने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जरूरतमंदों के पक्के घर के सपने को साकार किया है। किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल धान की कीमत देने का वादा पूरा किया है और धान की अंतर की राशि बारह हजार करोड़ रुपए भी जारी कर दी है। महतारी का सम्मान करते हुए हमने महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को अब तक बारह क़िस्त जारी कर दी है। भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष दस हजार रुपए की आर्थिक सहायता दे रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत गाँवों में घर-घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का कार्य जोरों पर है। उन्होंने कहा कि हम किसानों, महिलाओं, गरीबों, आदिवासियों, जरूरतमंदों सभी वर्ग की सेवा कर रहे हैं और आगे भी करेंगे। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में भारतीय जनता पार्टी समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करें, उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएं।

गौरतलब है कि त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के अंतर्गत कल प्रदेश के 53 विकासखंडों में मतदान संपन्न होना है। जिसके परिणाम 18 फरवरी को घोषित होंगे।

लीजेंड 90 लीग: क्वालीफायर-2 के लिए लेंडल सिमंस ने बढ़ाया टीम का मनोबल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । दिल्ली रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज लेंडल सिमंस ने लीजेंड 90 लीग के अहम क्वालीफायर 2 मुकाबले से पहले फ्रेंचाइजी के प्रबंधन और सहयोगी स्टाफकी जमकर तारीफकी। इस मुकाबले का विजेता 17 फरवरी को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के खिलाफफाइनल में ट्रॉफी के लिए अंतिम लड़ाई लड़ेगा।

वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज लेंडल सिमंस लीजेंड 90 में दिल्ली रॉयल्स के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने अब तक चार पारियों में लगभग 190 के स्ट्राइक रेट से 238 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं, जिसकी बदौलत दिल्ली फाइनल की प्रबल दावेदार बनी हुई है।

2016 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम का अहम हिस्सा रहे सिमंस हमेशा से ही भारतीय पिचों पर बल्लेबाजी करना पसंद करते आए हैं। 40 वर्षीय इस खिलाड़ी ने लीजेंड 90 लीग में खेलने पर खुशी जताते हुए कहा कि, मैं इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजी का पूरा आनंद ले रहा हूं। यहां की विकेट बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन है और आउटफील्ड भी तेज़ है। शिखर धवन के साथ अब तक बल्लेबाजी करना काफी मजेदार रहा है, हमने मिलकर हमेशा टीम को एक बेहतर शुरुआत दिलाने की कोशिश की है। इसके अलावा हमारी टीम का माहौल भी काफी शानदार है।

सिमंस ने दिल्ली रॉयल्स फ्रेंचाइजी के मालिक मन्नत ग्रुप की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों के लिए एक सकारात्मक और सहयोगी माहौल तैयार किया है। मेरा सहयोगी स्टाफ भी बहुत बढ़िया है। ट्रेनर मेरे साथ जिम में वर्कआउट करता है, जिससे हमारे बीच एक अच्छी बॉन्डिंग हो गई है।

लीजेंड 90 लीग के फाइनल में प्रवेश से सिर्फ एक कदम दूर दिल्ली रॉयल्स के हरफनमौला बल्लेबाज सिमन्स ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत से पहले कहा कि, वैसे तो सभी अंतरराष्ट्रीय स्तर की टीमें बहुत बढ़िया हैं, लेकिन मुझे लगता है कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी के प्रबल दावेदारों में से एक है और इसका दूसरा सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी इंग्लैंड है। ये दोनों टीमें लगातार अच्छा क्रिकेट खेल रही हैं। बड़ी बात नहीं कि इंग्लैंड और भारत के बीच फाइनल मुकाबला देखने को मिले।

नागा साधु-संतों ने लोमश ऋषि आश्रम में फहराया धर्मध्वजा, इष्टदेवों को किया आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। राजिम कुंभ कल्प में पधारे नागा साधुओं ने अपनी संत परम्परा के अनुसार अपने इष्ट और शस्त्रों की पूजा, अर्चना कर धर्म ध्वजा फहराकर उसकी स्थापना की। संत परम्परा में ऐसी मान्यता है कि जिस तीर्थ स्थान में कुंभ, अर्ध कुंभ या कल्प कुंभ होता है वहां नागा साधुओं की उपस्थिति से कुंभ की सार्थकता होती है। नागा साधु अपने अपने अखाड़ों और संत परम्परा के अनुसार ध्वजारोहण कर धर्म ध्वजा की स्थापना करते हैं। उसी के बाद नागा सम्प्रदाय के साधु कुंभ मे आकर पर्व स्नान, शाही यात्रा जैसे आयोजनों का हिस्सा बनकर कुंभ के महत्व को पूर्ण करते हैं।

रविवार संध्या 4 बजे नागा साधुओं ने अपने ईष्ट दत्तात्रेय भगवान की पूजा-आरती कर अपनी धर्मध्वजा की स्थापना कर इष्ट देवताओं का आह्वान किया। साधुओं ने बताया कि धर्म की रक्षा के लिए यह ध्वजा खड़ी की जाती है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी संत समागम के आयोजन में विभिन्न अखाड़ों के नागा साधुओं सहित कई मठों के मठाधीश, शंकराचार्य एवं अनेक संत सम्प्रदाय के साधु संत राजिम में आयोजित कल्प कुंभ मे पंहुचकर होने वाले पर्व स्नान के अवसर पर राजिम की त्रिवेणी संगम मे डूबकी लगाकर पुण्य लाभ कमाते है। राजिम कुंभ कल्प में आए साधु संत यहां आने वाले श्रद्धालुओं के बीच मुख्य आकर्षण का केन्द्र होते हैं। आने वाले श्रध्दालु दर्शनार्थी इन संतों का अमृत वचन सुन आशीर्वाद लेने का कोई भी अवसर नही छोडते।

नागा साधु संतो द्वारा धर्म ध्वजा की स्थापना कर अपने इष्ट का आह्वान कर कुंभ की शुरुआत करते हैं। धर्म ध्वजा की स्थापना के बाद संतो का कुंभ में आना शुरु हो जाता है। रविवार को राजिम के संत समागम स्थल पर गोपाल गिरी, संतोष गिरी, कमलेषानंद सरस्वती, गोकुल गिरी, चाणक्यपुरी, उमेशानंद गिरी, राजेन्द्र गिरी, पद्मणी पुरी सहित अनेक संत सम्प्रदाय, संत समाज के साधु संतों के सानिध्य में धर्म ध्वजा स्थापित कर अपने-अपने इष्ट का आह्वान कर कुंभ की अगुवाई कर संत परम्परा का निर्वाहन किया। इस दौरान प्रबंध संचालक पर्यटन विवेक आचार्य, गरियाबंद कलेक्टर दीपक अग्रवाल, सदस्य सचिव मेला आयोजन समिति प्रताप पारख, अनुविभागीय अधिकारी राजिम विशाल महाराणा उपस्थित थे।

जोड़ों के दर्द से राहत दिलाए अजवायन

अपने एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी बैक्टीरियल गुणों के कारण अजवायन जहां गैस बनने, पेट दर्द, सर्दी-जुकाम जैसी तकलीफों के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कारगर जड़ी-बूटी है, वहीं यह भारतीय व्यंजनों में हर घर में इस्तेमाल किए जाने वाला महत्वपूर्ण मसाला भी है। सर्दियों के मौसम में अजवायन ज्यादा स्वास्थ्यप्रद है, बता रही हैं

बुखार होने पर

सर्दी-जुकाम से होने वाले बुखार में 5 ग्राम अजवायन और 1 ग्राम गिलोय का रस 100 मिली लीटर पानी में रात को भिगोकर रखें। सुबह पानी छानकर इसमें थोड़ा सा नमक मिलाकर पीने से आराम मिलेगा। बुखार में होने वाली घबराहट में 5 ग्राम अजवायन 50 मिली लीटर पानी में उबाल कर छान लें। आधा-आधा पानी 2 घंटे के अंतराल में पी लें, लाभ होगा।

गठिया के दर्द में आराम

सर्दियों में गठिया से सूजन और दर्द काफी बढ़ जाते हैं। जोड़ों में दर्द होने पर 50 मि.ली. तिल के तेल में 10 ग्राम अजवायन डाल कर हल्की आंच पर उबालें। ठंडा होने पर इस तेल से मालिश करें। 20-20 ग्राम अजवायन और मेथी के दाने पीस कर एक पतले कपड़े में बांध कर एक पोटली बना लें। इस पोटली को तवे पर गर्म करके प्रभावित जगह पर सावधानी के साथ लगाएं।

एक बर्तन में अजवायन के कुछ बीज पानी में उबालें। उस पानी में एक कपड़े को गीला कर दर्द वाली जगह की सिकाई करें। अजवायन के बीज थोड़े से पानी में पीस कर बनी पेस्ट प्रभावित जगह पर लगाने से भी राहत मिलती है।

सूजन दूर करे

सूजन दूर करने के लिए नीबू के रस में अजवायन को पीस कर प्रभावित जगह पर लगाएं। 1 ग्राम पिसी दालचीनी में 3 बूंद अजवायन का तेल डाल कर सुबह-शाम सेवन करें।

दांत दर्द में दे आराम

एक कप पानी में एक चम्मच पिसी अजवायन और थोड़ा-सा नमक उबालें। पानी गुनगुना होने पर उसे मुंह में लेकर कुछ देर रोकें और कुल्ला कर फेंक दें। ऐसा दिन में तीन बार करें। अजवायन भून कर पीस लें। तैयार चूर्ण से मंजन करने पर मसूढ़ों की बीमारियों में आराम मिलता है।

पिंपल्स के निशान करे कम

अजवायन के पाउडर को दही के साथ मिलाकर लगाएं। आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से धो लें। पिंपल्स के निशान धीरे-धीरे खत्म हो जाएंगे।

खांसी-जुकाम से छुटकारा दिलाए

एक कप छाछ के साथ एक चम्मच अजवायन खाने से सर्दी-जुकाम के कारण बनने वाले कफ से राहत मिलती है। एक चम्मच अजवायन के दानों को हाथ से मसल कर बारीक कर लें और इसे थोड़े से गुड़ के साथ मिलाकर टॉफी की तरह चूसकर सेवन करें। एक मुलायम कपड़े में थोड़ी सी अजवायन डाल कर पोटली बना लें। इसे तवे पर गर्म कर सीने की सिकाई करने से जल्दी आराम मिलता है। अजवायन का रस, सिरका और शहद मिलाकर रोजाना दिन में 3 बार पीने से पुरानी खांसी भी ठीक हो सकती है। 2-3 ग्राम अजवायन का पाउडर गर्म पानी या गर्म दूध के साथ 2-3 बार लेने से जुकाम, सिरदर्द, नजला में काफी आराम मिलता है।

कफ होने पर 1 ग्राम अजवायन का पाउडर, 2 ग्राम घी और 5 ग्राम शहद मिलाकर दिन में 2-3 बार खाएं। 10 ग्राम पुदीने का चूर्ण, 10 ग्राम अजवायन और 10 ग्राम कपूर एक साफ बोतल में डालकर धूप में रखें। तीनों चीजें गलकर पानी बन जाएंगी। इसकी 3-4 बूंदें रूमाल में डालकर सूंघने से या पानी में डालकर भाप लेने से आपको लाभ होगा।

सेहत के लिए लाभकारी गाजर

गाजर विटामिन बी का अच्छा सोर्स है। इसके अलावा, इसमें ए, सी, डी, के, बी-1 और बी-6 काफी क्वॉन्टिटी में पाया जाता है। इसमें नैचुरल शुगर पाया जाता है, जो सर्दी के मौसम में शरीर को ठंड से बचाता है। इस मौसम में होने वाले नाक, कान, गले के इन्फेक्शन और साइनस जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए गाजर या इससे बनी चीजों का सेवन फायदेमंद साबित होता है। आप इसे सलाद के तौर पर खाएं या गाजर का हलवा बनाकर, दोनों ही फायदेमंद है। हां, अगर कैलरीज से बचना चाहती हैं, तो गाजर का हलवा अवॉइड करें। 100 ग्राम गाजर में 0.9 प्रोटीन, 10.6 कैलरीज, 80 मिलीग्राम कैल्शियम, 0.03 मिलीग्राम आयरन पा सकते हैं। आपको गाजर से कई विटामिन व मिनरल्स मिलते हैं। इसमें एंटीऑक्सिडेंट, कैल्शियम, कैरोटिन, अल्फा कैरोटिन, विटामिन ए, बी1, सी और ई भी मौजूद होते हैं। एंटीऑक्सिडें से त्वचा में गजब की चमक आती है।

गाजर शरीर से गंदे पदार्थो को बाहर निकालने में मददगार है और तो और यह अल्सर जैसे भयानक रोग से लडने में लाभकारी है। शरीर में कमजोरी से अगर आपको चक्कर आते हों तो गाजर खाना आपके लिए संजीवनी बूटी का काम करेगी।

गाजर में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में होता है। इसमें एक विशेष गुण यह रहता है कि इसके सेवन से नवीन रक्त का निर्माण शीघ्रता एवं प्रचुरता के साथ होता है।

गाजर के जूस पीने से दमा, खांसी, यूरिन में जलन तथा पथरी से पीडित व्यक्तियों को फायदा मिलता है।

आंखों में लाएं चमक-:गाजर में विटामिन ए प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए इसको खाने से आंखों की रोशनी तेज व ठीक रहती है। आंखों से संबंधी सामान्य परेशानिओं का कारण है विटामिन ए की कमी।

प्रोटीन की संतुलित मात्रा बच्चों को बनाएगी स्वस्थ

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा स्वस्थ और मजबूत हो। वे अच्छे पोषण की जरूरत को समझते हैं और जानते हैं कि उनके बच्चे के शरीर के विकास में प्रोटीन का क्या महत्व है। हालांकि, कई लोगों को यह नहीं पता कि उनके बच्चे को कितनी मात्रा में प्रोटीन की जरूरत होती है। अभिभावक यह नहीं समझ पाते हैं कि प्रोटीन जैसे पोषक तत्व के मामले में भी 'बहुत ज्यादा अच्छी चीज भी बुरी साबित होती है।'

न्यूरोलॉजी चिकित्सक डॉ. सतीश सलूजा ने कहा, ''शिशुओं में प्रोटीन की अत्यधिक मात्रा बच्चे के बड़े होने के साथ मोटापे की कोशिकाओं (फैट सेल्स) की संख्या बढ़ाती है और उनमें इन्सुलिन और आईजीएफ-1 (लीवर द्वारा बनाया जाने वाला हॉर्मोन, जो इंसुलिन की तरह काम करता है) का उत्सर्जन बढम् जाता है। इसके कारण वजन एवं मोटापा तेजी से बढम्ता है, जिससे मधुमेह और हृदय रोग जैसी कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।''

प्रोटीन की जरूरत से ज्यादा मात्रा लेने से शिशु की अपरिपच गुर्दो पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। मनुष्य के शरीर में अतिरिक्त प्रोटीन जमा नहीं होता है, बल्कि शरीर इसे तोड़कर बाई-प्रोडक्ट बनाता है, जिसका मूत्र के साथ शरीर से बाहर निकलना जरूरी होता है। किडनी तेजी से काम करना शुरू करता है और सिस्टम में जमा होने वाले कीटोन्स को बाहर निकालने की कोशिश करता है, जिससे बच्चे की किडनी पर काफी दबाव पड़ता है। अत्यधिक प्रोटीन खून में यूरिया, हाइड्रोजन आयन एवं अमीनो एसिड (फिनाईलेलेनाइन, ट्रायोसाइन) की मात्रा बढमता है, जिससे मेटाबॉलिक एसिडोसिस होती है। मेटाबॉलिक अनियमितताओं का यह संयोग विकसित होते दिमाग पर बुरा प्रभाव डालता है।

अत्यधिक प्रोटीन से बुखार या डायरिया के समय कैल्शियम की हानि होती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है और डिहाइड्रेशन के साथ-साथ कमजोरी भी आती है। डॉ. सलूजा ने कहा, ''मां का दूध पोषण का एक बेहतरीन स्रोत है, जिसकी नकल नहीं की जा सकती। इसमें प्रोटीन की मात्रा डायनैमिक होती है।

यह शिशु के शरीर की जरूरतों के अनुसार बदलती रहती है और उसे सही मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध कराती है। शिशु के विकास के साथ-साथ मां के दूध में भी प्रोटीन की मात्रा उसकी जरूरत के अनुसार कम होती जाती है।'' भारत में स्तनपान एवं पोषण के प्रयास हमेशा अपेक्षित स्तर से कम होते हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले छह महीनों में केवल 46 प्रतिशत बच्चों को ही स्तनपान कराया जाता है। इसी रिपोर्ट के अनुसार, 6 से 23 महीने के बच्चों में से केवल 44 प्रतिशत बच्चों को ही प्रतिदिन न्यनूतम सुझाई गई संख्या में स्तनपान कराया जाता है (यानी 6 से 8 महीने के बच्चों को दिन में दो बार एवं 9 से 23 माह के बच्चों को दिन में तीन बार स्तनपान)।

डॉ. सलूजा ने कहा, ''हम अपने बच्चों के लिए जो विकल्प चुनते हैं, उससे उनके विकास का निर्धारण होता है। शिशु के जीवन के पहले 1,000 दिन सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। शिशु के लिए सर्वश्रेष्ठ पोषण एवं सही मात्रा में प्रोटीन प्रदान करना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जब भी संदेह हो तो यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने शिशु की वृद्धि एवं विकास के लिए अपने शिशुरोग चिकित्सक से संपर्क करें।''

आजकल आधुनिकता की होड़ में हर कोई तनावग्रस्त है। हम सभी कहीं न कहीं किसी न किसी बात को लेकर उलझन में पड़े हुए हैं, परेशान हैं और उसका हल ढूंढ रहे हैं। कई बार ये तनाव जानलेवा साबित हो जाता है और कई खतरनाक बीमारियों की वजह बन जाता है। मधुमेह, थॉयराइड, हार्ट अटैक और डिप्रेशन जैसी कई बीमारियां, अधिकांशतः तनाव की वजह से होती हैं। इसकी वजह से दैनिक गतिविधियों पर भी असर पड़ता है।

तनाव दूर भगाने वाले स्वास्थ्यवर्धक खाद्य

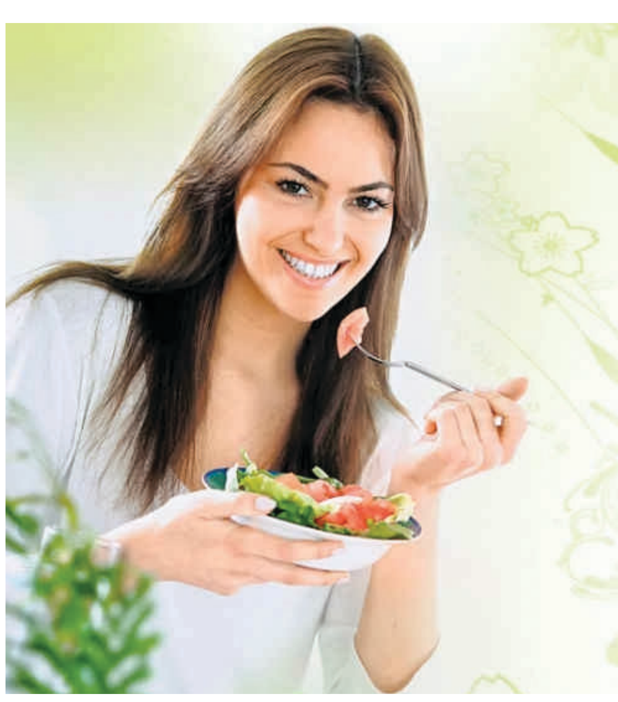

लम्बे समय तक तनाव में रहना जानलेवा होता है। इसलिए, स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि तनाव से दूर रहने के लिए हर संभव उपचार करना चाहिए। स्वयं को लोगों के साथ व्यस्त रखें, अपने आप को भी समय दें, अच्छी और सकारात्मक बातें ही सोचें। एक्सपर्ट का मानना है कि कई फूड भी ऐसे होते हैं जिनके सेवन से तनाव दूर भाग जाता है।

इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे ही फूड के बारे में बता रहे हैं जिनके सेवन से शरीर में ऐसे तत्व पहुंचते हैं कि मन प्रसन्न हो जाता है और तनाव से मुक्ति मिल जाती है। आइए जानते हैं तनाव को दूर करने वाले खाद्य पदार्थों के बारे में- हरी पत्तेदार सब्जियां: गहरे हरे रंग वाली पत्तेदार सब्जियां, जैसे- पालक आदि में फोलेट की मात्रा अधिक होता है जो मन को बदल देती है, क्योंकि इनमें सेरोटोनिन और डोपामाइन भी शामिल होता है। एक रिसर्च के अनुसार, जो लोग अधिक वसा वाला भोजन करते हैं उनमें तनाव होने का खतरा ज्यादा रहता है। टर्की टकी में अमीनो एसिड की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो शरीर में पहुंचते ही सेरोटोनिन में परिवर्तित हो जाती है। जो लोग ट्रिप्टोफान को लेते हैं, जो कि एक प्रकार का अमीनो एसिड होता है, वो ज्यादा शांत और खुश रहते हैं। कद्दू के बीज, अखरोट और कार्बनिक अंडों में इसकी अच्छी खासी मात्रा होती है। ब्लूबेरी: ब्लूबेरी में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो दिमाग को मजबूत और निर्णय लेने में सक्षम बना देता है और मूड को बदलकर अच्छा कर देता है। इसके सेवन से तनाव कम हो जाता है और प्रतिरक्षा क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है। 2 शतावरी: शतावरी में फोलेट काफी होता है जो शरीर को ठंडक देता है। अगर इसका सेवन सलाद में किया जाये, तो सबसे अधिक लाभकारी होता है। एवाकाडो: एवाकाडो, वसा को शरीर में नहीं बढ़ने देता है और तनाव को कम कर देता है। इसमें बीटा-कैरोटीन और विटामिन ई होता है जो तनाव के स्तर को काफी घटाने में सहायक होता है।

टमाटरः देखने में अच्छा, स्वास्थ्य के लिए भी

टमाटर जितना देखने में अच्छा लगता है, उतना ही खाने में स्वादिष्ट है और स्वास्थ्यवर्द्धक भी। तभी तो टमाटर का उपयोग सब्जी के रूप में करने साथ-साथ सलाद और चटनी के रूप में बहुतायम में किया जाता है।

टमाटर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, विटामिन सी पाये जाते हैं। एसिडिटी की शिकायत होने पर टमाटरों की खुराक बढाने से यह शिकायत दूर हो जाती है।
लाल-लाल टमाटर देखने में बहुत सुंदर और खाने में स्वादिष्ट होने के साथ पौष्टिक होते है। टमाटर में संतृप्त वसा, सोडियम स्वाभाविक रूप से कम होता है। टमाटर थियमिन, नियासिन, फास्फोरस और तांबा, नियासिन, विटामिन बी-6, मैग्नीशियम प्रदान करता है। जो सभी अच्छी स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।
हड्डी मजबूत-टमाटर विटामिन के और कैल्शियम से भरपूर होते है। जो हड्डियां मजबूत करने में मदद करते हैं। चोट के बाद कैल्शियम और विटामिन के अस्थियों के ऊतकों की मरम्मत में सहायता करते है। अगर आप बीमार है और आपकी सेहत में सुधार हो रहा है। तो टमाटर सूप बेस्ट है। हेल्दी त्वचा-टमाटर से आपकी त्वचा को मुलामय बनाने के साथ-साथ लाइनों झुर्रियों का कम करता है।
टमाटर काट कर चेहरे पर मलें। सूखने पर धो लें। टमाटर ब्लीच का काम करता है जिससे रंग निखरता है। ड्राई स्किन वाले पैक धोने के बाद मॉयश्चराइजर लगाएं।
टमाटर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, विटामिन सी पाये जाते हैं। एसिडिटी की शिकायत होने पर टमाटरों की खुराक बढाने से यह शिकायत दूर हो जाती है।

गाजर का फेस पैक लगाएं और पाएं साफ गोरी त्वचा

गाजर एक स्वास्थ्य वर्धक सब्जी मानी जाती है, जो आपके चेहरे की कई समस्याओं को पल भर में दूर कर सकता है। गाजर में काफी सारा विटामिन और मिनरल पाया जाता है जो कि त्वचा को मेंटेन करने के लिये काफी होता है। अगर आपकी त्वचा हमेशा मुर्झाई सी लगती है और आप दुनिया भर की क्रीम और लोशन लगा लगा कर थक चुकी हैं तो, अब गाजर का फेस पैक लगा कर देखिये। गाजर में विटामिन सी, ए और ई पाया जाता है जो कि आपकी त्वचा से एजिंग के सारे लक्षणों को मिटा देगें और चेहरे पर ब्लड फ्लो कर के चेहरे में चमक भरेंगे।

कैरट मास्क को हफ्ते में दो बार लगाने पर चेहरे से डार्क स्पॉट, झाइयां, झुर्रियां आदि हट जाती हैं। आज ही आर्टिकल में हम आपको बताएगें कि चेहरे की अलग अलग प्रकार की समस्याओं को मिटाने के लिये आप किस प्रकार से गाजर का फेस मास्क बना सकते हैं।

गोरी त्वचा के लिये 15 दिनों में गोरी त्वचा पाने के लिये गाजर फेस मास्क लगाएं। इसे बनाने के लिये 1 चम्मच घिसी गाजर, 1 चम्मच बेसन, 1 चम्मच रोज वॉटर, 1 चम्मच खीरे का पेस्ट मिला कर त्वचा पर लगाएं। इसे 15 मिनट छोड़ दें और फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

झुर्रियां मिटाने के लिये घिसा गाजर, 1 चम्मच दूध, 1 चम्मच चावल का आटा, चुटकीभर हल्दी और 1 छोटा चम्मच शहद मिक्स करें। इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट तक के लिये लगाए रखें। ऐसा हर एक दिन छोड़ कर करें जिससे जल्दी फायदा हो।

पिगमेंट और खुरदुरी त्वचा को हटाने के लिये 1 चम्मच घिसी गाजर में 1 चम्मच नींबू का रस और 1 चम्मच शहद मिलाएं। इसे अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के बाद हल्के गरम पानी से चेहरा धो लें। इसे हफ्ते में दो बार लगाएं।

चमकदार त्वचा पाने के लिये 1 चम्मच घिसी गाजर को 1 चम्मच ओट्स और 1 चम्मच घिसे सेब के साथ मिक्स कर के पेस्ट बनाएं। इसे चेहरे पर लगा कर सूखने के बाद हल्के हाथों से मसल कर छुड़ा लें। इसे चहरे पर 10 मिनट ही रखें।

चेहरे की सूजन कम करने के लिये हमारे चेहरे पर अक्सर सुबह के समय सूजन आ जाती है। इसको कम करने के लिये सुबह ही यह फेस पैक लगाएं। इसके लिये 1 चम्मच घिसा गाजर, 1 चम्मच घिसा चुकंदर, 1 चम्मच आलू और 1 चम्मच दही मिलाएं। इसे चेहरे पर 15 मिनट के लिये लगाएं और फिर पानी से धो लें।

ऑइली स्किन के लिये 1 चम्मच गाजर के जूस में 1 चम्मच एप्पल साइडर वेनिगर मिलाएं और उसमें रूई डुबो कर चेहरे को साफ करें। यह काम सुबह और शाम को करें। फिर चेहरे को 10 मिनट के बाद धो लें।

ऑइली स्किन के लिये 1 चम्मच गाजर के जूस में 1 चम्मच एप्पल साइडर वेनिगर मिलाएं और उसमें रूई डुबो कर चेहरे को साफ करें। यह काम सुबह और शाम को करें। फिर चेहरे को 10 मिनट के बाद धो लें।

ड्राई स्किन के लिये 1 चम्मच घिसी गाजर में 1 चम्मच मलाई और अंडे का सफेद भाग मिक्स करें। फिर इसे चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के बाद चेहरा धो लें। इससे आपकी त्वचा मुलायम बन जाएगी।

नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर खिले केंद्रीय नेतृत्व के चेहरे, राष्ट्रीय नेताओं ने सीएम साय एवं संगठन को दी बधाई

भाजपा की ऐतिहासिक विजय पर सोशल मीडिया में लगा बधाईयों का तांता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव - 2025 में भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड एवं ऐतिहासिक विजय पर केंद्रीय नेतृत्व बहुत खुश नजर आया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा सहित रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं अन्य राष्ट्रीय नेताओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं प्रदेश भाजपा संगठन को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सभी ने इस ऐतिहासिक विजय के लिए मुख्यमंत्री श्री साय के जनकल्याणकारी कार्यों पर प्रदेश की जनता का अटूट विश्वास होना बताया। सीएम साय ने भी बधाई एवं शुभकामनाओं के लिए सभी का हृदय से आभार जताया।

गौरतलब है कि कल आए नगरीय निकाय चुनाव के परिणामों में भाजपा ने दस में दस नगर निगम, 49 में 35 नगर पालिका और 114 में 81 नगर पंचायतों में ऐतिहासिक विजय हासिल की है। नगर निगम में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है। इस प्रचंड विजय पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों का आभार जताया एवं अटल विश्वास पत्र के एक-एक वादे को पूरा करने का भरोसा दिलाया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्रीअमित शाह ने X पर लिखा कि छत्तीसगढ़ नगर निकाय के चुनावों में भाजपा को मिली प्रचंड जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में जन-जन तक विकास कार्यों की पहुँच और नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में बढ़ते कदम पर जनता की मोहर है। इस विजय के लिए जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद और प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और भाजपा छत्तीसगढ़ के सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएँ।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने X पर लिखा कि छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव जी और भाजपा छत्तीसगढ़ के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूँ। यह ऐतिहासिक विजय आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में डबल-इंजन सरकार द्वारा क्रियान्वित हो रहीं जन-कल्याणकारी व जनजातीय-हितैषी योजनाओं पर प्रदेशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक है।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने X पर लिखा कि छत्तीसगढ़ के नगर निकाय चुनाव में भाजपा ने 'परफेक्ट टेन' हासिल करके जीत का परचम लहराया है। इस जबरदस्त जीत के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव समेत पूरी टीम को बधाई। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली एनडीए सरकारों में जनता-जनार्दन के अगाध विश्वास की प्रतीक है। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ सभी विजयी उम्मीदवारों को ढेरों शुभकामनाएं।

राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने X पर लिखा कि यह ऐतिहासिक जीत मोदी की गारंटी और विष्णु देव साय जी के सुशासन पर जनता की मोहर है। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय भाजपा छत्तीसगढ़ के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! डबल-इंजन सरकार की जन-कल्याणकारी और जनजातीय-हितैषी योजनाओं पर प्रदेशवासियों का अटूट विश्वास पुनः साबित हुआ!

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने X पर लिखा कि नगर-नगर भाजपा शहर-शहर भाजपा, छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में 10 की 10 सीटों पर भाजपा ने ऐतिहासिक विजय हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व पर जनता के विश्वास का प्रमाण देश के हर चुनाव में सामने आ रहा है। इस विजय पर भाजपा छत्तीसगढ़ के समस्त प्रत्याशियों एवं कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी सह बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन ने X पर लिखा कि पंचायत से पार्लियामेंट तक भगवा लहरा रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी, माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व में नगर निगम की सभी 10 सीटों पर मिली ऐतिहासिक विजय उन संकल्पों की जीत है, जो जनसेवा और सुशासन के लिए लिए गए थे। यह जीत माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी, माननीय प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव जी, समर्पित कार्यकर्ताओं और हर उस नागरिक की है, जिसने विश्वास और समर्थन के साथ इस विजय को संभव बनाया।आप सभी को हृदय से बधाई और अभिनंदन! यह सिर्फ एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की मोहर है—अब हमें और भी अधिक सेवा और समर्पण के साथ आगे बढ़ना है!

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने X पर लिखा कि छत्तीसगढ़ नगर निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक विजय माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में डबल-इंजन सरकार द्वारा क्रियान्वित हो रहीं जन-कल्याणकारी नीतियों पर प्रदेशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक है। इस प्रचंड विजय के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय जगत प्रकाश नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव जी और भाजपा छत्तीसगढ़ के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।

कलेक्टर शर्मा ने किया एनएमएमएसई 2024-25 परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट बेमेतरा, रणबीर शर्मा ने आज शासकीय आदर्श बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमेतरा में आयोजित एनएमएमएसई (नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा) 2024-25 का निरीक्षण किया। कक्षा आठवीं के लिए आयोजित इस परीक्षा की प्रथम पाली सुबह 10:00 बजे से 11:30 बजे तक संचालित हुई, जिसमें कुल 1119 पंजीकृत छात्रों में से 1074 छात्र उपस्थित रहे और 45 छात्र अनुपस्थित रहे, जिससे कुल उपस्थिति 95 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई।

निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र के केंद्राध्यक्ष संतराम साहू, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. कमल कपूर बंजारे, डीएमसी नरेन्द्र वर्मा, एपीसी भूपेन्द्र कुमार साहू, पर्यवेक्षक शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने केंद्र की व्यवस्था और परीक्षा संचालन की सुचारूता की सराहना की। द्वितीय पाली दोपहर 1:00 बजे से 2:30 बजे तक आयोजित की गई, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. कमल कपूर बंजारे ने बेरला विकासखंड के दो परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। शासकीय महाविद्यालय बेरला में कुल 502 पंजीकृत छात्रों में से 484 छात्र उपस्थित रहे, जबकि 18 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार, शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल बेरला में कुल 240 छात्रों में से 233 छात्र उपस्थित रहे, और 07 अनुपस्थित रहे, जिससे इस केंद्र पर 96त्न से अधिक उपस्थिति दर्ज की गई।

निरीक्षण के दौरान कन्या शाला की प्राचार्या पूर्णिमा दास, एपीसी भूपेन्द्र कुमार साहू, बीआरसीसी बेरला खोमलाल साहू, एबीईओ बेरला श्री ठाकुर एवं उईके सर सहित अन्य पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुंभ में डुबकी लगाने से कांग्रेस के पाप धुल जायेंगे:मूणत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा के वरिष्ठ विधायक राजेश मूणत ने कांग्रेस पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस को महाकुंभ में डुबकी लगाने की जरुरत है। उनके सारे पाप धुल जाएंगे। केंद्र से मिले पैसों को कांग्रेस ने बंदरबांट किया इसलिए जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह से नकार दिया है।

कांग्रेस के पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के बयान पर विधायक राजेश मूणत ने पलटवार किया है। मूणत ने कहा कि, कांग्रेस का विश्वास टूटा है, तीन चुनाव में कांग्रेस को हार मिली है। कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है। मोदी की गारंटी और विष्णु देव साय के विश्वास ने जो कहा वह करके दिखाया है। बीजेपी ने जनता से किया कमिटमेंट को पूरा किया है। शहरी सेक्टर की जनता से किया गया हर वादा पूरा किया जाएगा। आगे मूणत ने कहा कि, जनता ने जिस तरह अपना स्नेह दिखाया, उनका विकास निश्चित होगा। हमारे सारे पार्षद और महापौर जनता की हर एक अपेक्षा पूरी करेंगे।

बीजेपी की जीत पर बनाए गए समीकरण पर राजेश मूणत ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद राज्य को लूटने का काम किया। कई बड़े-बड़े स्कैंडल निकाल कर आए। उन स्कैंडल के कई चेहरे बेल पर है कई जेल में है। पैसे का दुरुपयोग और बंदर बांट कांग्रेस ने किया। केंद्र सरकार से भरपूर पैसा मिलने के बावजूद इस शहर का विकास नहीं किया।

नई योजना बनाकर बेहतर विकास करेंगे

कांग्रेस सरकार में रहे महापौर ने स्मार्ट सिटी के पैसों का बंदरबांट किया। इसलिए जनता ने इस चुनाव में उसका जवाब दिया है। कांग्रेस के लिए यह हर चिंतन का विषय है। वहीं जीत के बाद प्रदेश में काम की रूपरेखा पर मूणत ने कहा कि,जनता से जो वादे किए गए हैं उन्हें पूरा किया जाएगा। नई योजनाएं बनाकर रायपुर को राजधानी के रूप में खड़ा किया जाएगा।

कुंभ में डुबकी लगाने से कांग्रेस के पाप धुल जायेंगे

राजेश मूणत ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि, कांग्रेस के सभी नेताओं को एक होने की जरूरत है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रदेश अध्यक्ष और रायपुर मेयर तक की तस्वीर नहीं लगाई गई थी। कांग्रेस पार्टी पर पैसे लेकर टिकट बेचने के भी आरोप लगे। कांग्रेस को आत्म चिंतन करने की जरूरत है।

सोनपुर भी नक्शा परियोजना में, डिजिटल इंडिया मिशन को देगा नई गति

सोनपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन को गति देते हुए भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय भू-स्थानिक ज्ञान आधारित शहरी भूमि सर्वेक्षण (नक्शा) पायलट परियोजना की शुरुआत की जा रही है। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का राष्ट्रीय शुभारंभ 18 फरवरी 2025 को मध्य प्रदेश के रायसेन में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया जाएगा।

शहरी भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की इस महत्वपूर्ण योजना में बिहार के केवल 6 शहरों को चुना गया है, जिनमें सोनपुर का नाम विशेष रूप से शामिल है। इस चयन के साथ ही सोनपुर एक नई डिजिटल व्यवस्था की ओर अग्रसर हो रहा है। सोनपुर में इस अवसर पर भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

इस संदर्भ में सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर है। जिस तरह सूरज की किरणें अंधकार को मिटा देती हैं, उसी तरह यह नई तकनीक भूमि अभिलेखों से जुड़ी भ्रांतियों और अनियमितताओं को समाप्त कर पारदर्शिता की नई रोशनी बिखेरेगी। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान जी द्वारा इस पायलट परियोजना का शुभारंभ भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। इससे देश के लाखों नागरिकों को अपनी भूमि का सटीक और डिजिटल रिकॉर्ड मिलेगा, जिससे भूमि विवादों और अनियमितताओं को समाप्त करने में सहायता मिलेगी। सोनपुर को इस महत्वपूर्ण पहल में शामिल किया जाना हमारे लिए गर्व की बात है। रुडी ने कहा कि डिजिटल भू-स्थानिक सर्वेक्षण भूमि विवादों की गाँठ को खोलने वाला मंत्र साबित होगा। अब लोगों को अपनी ज़मीन के कागजातों के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि उनकी संपत्ति का रिकॉर्ड डिजिटल रूप में उनके हाथों में होगा। प्रधानमंत्री मोदी की सोच हर नागरिक को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की है, और यह परियोजना उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सिर्फ एक परियोजना नहीं, बल्कि सोनपुर के नागरिकों के लिए एक नई शुरुआत है। वर्षों से चली आ रही प्रक्रियाओं में अब तकनीकी सुधार आएगा और आमजन को अपनी भूमि संबंधी जानकारी तक सहज और त्वरित पहुंच मिलेगी।

पूर्वाह्न 11.00 बजे से नगर पंचायत सोनपुर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में ड्रोन और एरियल मैपिंग तकनीक का लाइव प्रदर्शन, शहरी भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण पर जागरूकता अभियान, स्थानीय नागरिकों, भू-स्वामियों एवं शहरी योजनाकारों की सहभागिता और तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा भू-स्थानिक सर्वेक्षण की प्रक्रिया पर जानकारी दी जायेगी जिसमें स्थानीय प्रशासन एवं नगर पंचायत के अधिकारियों की भागीदारी होगी।सांसद रूडी ने सभी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और हितधारकों से इस कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सोनपुर में नक्शा परियोजना का शुभारंभ सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य की ओर बढ़ता एक सशक्त कदम है। इस पहल से सोनपुर के नागरिकों को एक सुव्यवस्थित और पारदर्शी भूमि रिकॉर्ड प्रणाली का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी की दूरदृष्टि और शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में यह पहल भारत के शहरी भू-प्रबंधन को आधुनिक और पारदर्शी बनाएगी। सोनपुर के विकास में यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी।

झाड़ू लेकर सड़क पर उतरे नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रवंशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। नगर पालिका परिषद कवर्धा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने चुनाव जीतने के अगले ही दिन अपने हाथ में झाड़ू उठाकर शहर की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने नगर पालिका टीम के साथ शहर की सड़कों पर उतरकर 'स्वच्छ शहर-सुंदर शहर' बनाने का संकल्प लिया।

अपने अध्यक्षीय कार्यकाल के पहले ही दिन चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने नगर पालिका परिषद से लेकर महामाया मंदिर परिसर, भारत माता सौंदर्यीकरण स्थल, अंबेडकर चौक, शिवाजी चौक, रानी झांसी बालोद्यान, शारदा संगीत महाविद्यालय और बस स्टैंड परिसर की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' अभियान को साकार करने के लिए वह नगर पालिका टीम और जनता के साथ मिलकर काम करेंगे। उप मुख्यमंत्री एवं विधायक विजय शर्मा के मार्गदर्शन में कवर्धा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने चुनाव जीतने के बाद पहला दिन स्वच्छता को समर्पित किया।

चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों से निकलने वाले कचरे को नगर पालिका की सफाई गाड़ियों में डालें ताकि शहर को स्वच्छ रखा जा सके। अपने आसपास सफाई बनाए रखें और कचरे के लिए डस्टबिन का उपयोग करें। इस सफाई अभियान में मुख्य नगर पालिका अधिकारी रोहित साहू, कार्यपालन अभियंता एम.एल. कुर्रे, उप अभियंता वीरेंद्र नवघरे समेत समस्त नगर पालिका अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोकतंत्र का संगम: एक बूथ, चार धर्म, एक संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कबीरधाम जिले के कवर्धा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत केसली के मतदान केंद्र क्रमांक 11 पर लोकतंत्र की एक अनूठी और प्रेरणादायक तस्वीर देखने को मिली, जहां चार अलग-अलग धर्मों के अधिकारी संजय कुमार यादव (हिंदू), अब्दुल सईद खान (मुस्लिम), चरणजीत सिंह पाहुजा (सिख) और एल्विना विल्सन (ईसाई) एक साथ मतदान प्रक्रिया का संचालन कर रहे हैं।

यह दृश्य भारत की गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी सौहार्द और भाईचारे का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। लोकतंत्र की इस महायात्रा में जब अलग-अलग पृष्ठभूमियों से आए लोग एकजुट होकर निष्पक्ष और सुचारू मतदान कराने के लिए तत्पर हैं, तो यह संदेश जाता है कि भारत की असली ताकत इसकी विविधता में एकता है।

विशेष रूप से, इस दल में शामिल अब्दुल सईद खान, जो पूर्व सैनिक भी हैं। भूतपूर्व सैनिक से शासकीय शिक्षक बने अब्दुल सईद खान अपने राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को आगे बढ़ाते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में योगदान दे रहे हैं। यह उदाहरण न केवल चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को दर्शाता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि जब बात लोकतंत्र और देश की सेवा की हो, तो सभी मतभेद पीछे छूट जाते हैं और केवल एक पहचान रह जाती है.....हम भारतवासी हैं।

खास खबर

बरात में बवाल: दो दोस्तों पर बदमाशों ने किए चाकू से वार, जांजगीर चांपा से बिलासपुर रेफर इस बात पर हुआ विवाद

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले के चांपा के बंधवा तालाब के पास दो बदमाशों ने मिलकर विवाद करते हुए डीजे पर नाच रहे दो युवकों को तीन से चार बार चाकू से हमला किया गया। घायलों का जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर किया गया है। घटना चांपा थाना क्षेत्र की बताई जा रही है।

दअरसल, घायल युवक साहिल पटेल 25 वर्ष ने बताया कि ग्राम गोविंदा से चांपा के बंधवा तालाब के पास शादी हो रही थी। जिसमें बरात आई हुई थी। इस दौरान डीजे पर नाच रहे थे। तभी गोलू मांझी और श्रवण नाम के दो युवक एक बच्चे के साथ आकर कहने लगे कि इस बच्चे को किसने मारा है। जबरदस्ती बच्चे से पहचान करा रहा था। किसने मारा है। जिसके कुछ समय बाद फिर आकर मेरे दोस्त राम धान पटेल 22 वर्ष से मारपीट करते हुए एक चाकू नुमा हथियार से पीट पर हमला कर दिया। वहीं बीच बचाव में आने पर मेरे साथ चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद अन्य बरात में शामिल युवक दोनों घायलों को किसी तरह से उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर रेफर किया है। चांपा थाने में मामले की सूचना दी गई है। डॉक्टर का कहना है कि रामधान पटेल के पीट के अंदर लगभग ऊपर 3 इंच चौड़ा और 4 इंच का गड्ढा हुआ है। उसके सीने के नीचे का शरीर का पार्ट डेमेज हुआ है। वहीं साहिल पटेल को ज्यादा गहरी चोट नहीं आई है। दोनों को बिलासपुर भेजा गया है।

प्राइवेट स्कूल के संचालक से रिश्वत ले रहे थे डीईओ राम ललित पटेल, एसीबी ने रंगे हाथों पकड़ा

सूरजपुर। सूरजपुर जिले के डीईओ राम ललित पटेल को प्राइवेट स्कूल के संचालक से एक लाख रुपये की रिश्वत लेने के मामले में सरगुजा एंटी करप्शन टीम ने हाथों गिरफ्तार किया है। डीईओ ने पांच प्राइवेट स्कूल के संचालक से दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। वहीं, अंबिकापुर एसीबी को लगातार डीईओ के खिलाफ रिश्वत मांगे जाने को शिकायत मिल रही थी। इसी बीच लगातार शिकायत मिलने पर एसीबी ने डीईओ को पकड़ने की योजना बनाई थी। सरगुजा संभाग में एसीबी की यह सबसे बड़ी कार्रवाई है, जंहा जिला स्तरीय अधिकारी को रिश्वत लेते पकड़ने में सफलता मिली है।

जानकारी के अनुसार, सूरजपुर के डीईओ राम ललित पटेल ने रामरति पब्लिक स्कूल सहित जिले के चार अन्य स्कूलों छत्तीसगढ़ पब्लिक स्कूल दतिमा, सरस्वती बाल मंदिर सोनपुर, प्रिया बाल मंदिर भटगांव एवं लक्ष्मी विद्या निकेतन नरोला के संचालकों को आरटीआई के तहत मिलने वाली प्रतिपूर्ति की राशि का 10 फीसदी हिस्सा बतौर रिश्वत मांगा था। यह रकम दो लाख रुपये थी।

ट्रेनिंग में गैरहाजिरों को नोटिस

बलौदाबाजार। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक सोनी ने मतदान दलों के प्रशिक्षण से बिना सूचना के अनुपस्थित रहने वाले 276 कर्मचारियों को नोटिस जारी किया है। नोटिस प्राप्त होने के 24 घण्टे के अंदर जवाब देना होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदान दल में ड्यूटी लगाए गये कर्मचारियों का द्वितीय प्रशिक्षण विकासखंड मुख्यालयों में 13 एवं 14 फ़रवरी 2025 को आयोजित किया गया था। विकासखंड बलौदाबाजार में 15 कर्मचारी गैरहाजिर पाए गए।

धर्मांतरण को लेकर हिंदू संगठनों का हंगामा बजरंगियों ने हनुमान चालीसा का किया पाठ

अमलेश्वर थाने में देर रात तक हंगामा, पुलिस ने 97 लोगों को लिया हिरासत में

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के अमलेश्वर क्षेत्र में धर्मांतरण के मुद्दे पर हिंदू संगठनों ने जमकर बवाल किया। उन्होंने एक विशेष समुदाय के लोगों पर धर्मांतरण कराने का आरोप लगाते हुए उनके घर को घेर लिया। बाद में अमलेश्वर पुलिस ने इस मामले में 97 लोगों को हिरासत में लिया है। इस दौरान अूमलेश्वर थाने में देर रात तक तनाव की स्थिति बनी रही। मौके पर बजरंग दल व हिन्दुवादी संगठन के लोगों ने हनुमान चालिसा का पाठ भी किया।

अमलेश्वर पुलिस के मुताबिक उन्हें रविवार दोपहर सूचना मिली थी कि वहां एक घर को हिंदू संगठनों के लोगों ने घेर लिया है और जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे हैं। पुलिस जब वहां पहुंची तो लोगों ने विरोध जताते हुए कहा कि घर के अंदर ज्यादा से अधिक लोग हैं। उस घर में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है और गलत तरीके से भोले भाले गरीब लोगों का धर्मांतरण कराया जा रहा है। घटना की जानकारी दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला को दी गई। उन्होंने तुरंत बड़ी संख्या में पुलिस बल को वहां भेजा। देखते ही देखते वहां भारी संख्या में पुलिस बल तैनात हो गया।

घर पर किया गया था विशेष सभा का आयोजन

मिली जानकारी के अनुसार धर्मांतरण के लिए घर पर विशेष सभा का आयोजन किया गया था। जिस घर में विशेष धर्म सभा का आयोजन किया जा रहा था वह घर किसी विनय कुमार साव का बताया जा रहा है। हिंदू संगठनों के लोगों ने पुलिस को बताया कि घर में कई लोगों के होने की खबर है। पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घर के अंदर जाकर जांच और वहां से 97 लोगों को हिरासत में लिया। धर्मांतरण का विरोध करने पहुंचे बजरंग दल के लोगों ने घर को घेर लिया और वहीं पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू कर दिया। बजरंगियों के विरोध और रोष को देखकर सभी लोग घर के अंदर ही दुबके रहे। बाद में जब पुलिस पहुंची तो उन्हें हिरासत में लेकर बाहर निकाला। इस दौरान बजरंग दल व हिंदुवादी संगठनों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस की समझाइश के बाद शांत हुए।

पुलिस के पहुंचने के बाद भी हंगामा करते रहे बजरंगी

पुलिस बल पहुंचने के बाद भी हिंदू संगठन के लोग वहां से हटने का नाम नहीं ले रहे हैं। हालात पर काबू पाने के लिए अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्षेत्र में बढ़ते तनाव को देखते हुए पुलिस ने हिंदू संगठनों को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसे लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वो लोग उग्र प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद पुलिस के हाथ पांव फूल गए। पुलिस ने आनन-फानन में धर्म सभा आयोजन होने वाले घर से 97 लोगों को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए सभी से पुलिस पूछताछ कर रही है। इससे पहले भी धर्मांतरण के मामले सामने आ चुके है। शहर में लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं।

सड़क किनारे मरी मिली कई मुर्गियां, पशु चिकित्सा विभाग ने किया डिस्पोज

बालोद। बालोद जिले में सड़क किनारे बड़ी संख्या में मरी हुई मुर्गियां मिली हैं। रविवार को

रास्ते से गुजर रहे कुछ लोगों ने सड़क किनारे मरी मुर्गियों को देखने के बाद पशु चिकित्सा विभाग को इसकी सूचना दी गई। पूरा मामला जमरूआ गांव का है।

मिली जानकारी मिलने पर पशु चिकित्सा विभाग की टीम मौके पर पहुंची। विशेषज्ञों ने बताया है कि सभी मुर्गियां पेरेंट प्रजाति की हैं। सैंपल लेकर सभी मुर्गियों को डिस्पोज कर दिया गया है। आपको बता दें कि, 15 दिन पहले ही रायगढ़ में बर्ड फ्लू का भी मामला सामने आ चुका है। जिले में बीते साल मुर्गियों में बर्ड फ्लू ने दस्तक दी थी जो धीरे-धीरे पक्षियों में फैलती गई। इसके चलते कई मुर्गियों की मौत हो रही थी। इस बीमारी से पोल्ट्री फार्म संचालकों को लाखों का नुकसान भी हुआ था। आज फिर बड़ी संख्या में मृत मुर्गियां मिलने से पोल्ट्री फार्म संचालक चिंतित है।

छत्तीसगढ़ में 15 दिन पहले रायगढ़ जिले में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। जिसके बाद इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी कलेक्टर्स को कंट्रोल रूम बनाने के भी निर्देश दिए थे।

शराब तस्करी केस में भिलाई का गुड्डू बिहारी गिरफ्तार: पुलिस ने 34 लाख की अवैध शराब की जब्त, 4 महीने से फरार था आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ की बलौदाबाजार पुलिस ने भिलाई के गुड्डू राय को 34 लाख से अधिक कीमत की अवैध शराब की तस्करी मामले में गिरफ्तार किया है। वह पिछले 4 महीने से फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

गुड्डू राय का पूरा नाम विजय प्रकाश राय उर्फ गुड्डू बिहारी है। वो दुर्ग जिले के भिलाई में शांति नगर सड़क नंबर 5बी मकान नंबर 526 में रहता है। बलौदाबाजार जिले के थाना हथबंद पुलिस को उसकी पिछले 4 महीने से तलाश थी। पुलिस ने उसे रविवार को गिरफ्तार को जेल भेजा है।

हथबंद पुलिस के मुताबिक 13 अक्टूबर 2024 को उनकी टीम को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के केसदा गांव

स्थित एक फार्म हाउस में बड़ी मात्रा में अवैध शराब छिपाकर रखी गई है। पुलिस ने बलौदाबाजार एसपी के निर्देश पर वहां छापेमार कार्रवाई की थी।

कार्रवाई के दौरान पुलिस को फार्म हाउस 504 पेटी अंग्रेजी गोवा और 28 पेटी देसी मसाला शराब मिली थी। पकड़ी गई शराब की कुल कीमत 34 लाख 30 हजार रुपए थी। इसमें कुल शराब 4788 बल्क लीटर थी। पुलिस ने जब्ती के दौरान पाया कि शराब मध्य प्रदेश राज्य की निर्मित थी। बोतल में फॉर सेल इन मध्य प्रदेश ओनली लिखा हुआ था।

छापेमार कार्रवाई के बाद हथबंद और सायबर सेल की टीम ने गिरफ्तार आरोपियों और गवाहों से पूछताछ की तो पता चला कि यह शराब गुड्डू बिहारी नाम के युवक ने छिपाई है। पुलिस ने उसकी तलाश की, लेकिन वो वहां से फरार हो गया था। पुलिस को उसकी तभी से तलाश थी और रविवार को वो पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

पूछताछ में कबूल किया अपराध

पुलिस ने गुड्डू बिहारी से जब सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना आरोप कबूल कर लिया। उसने बताया कि वो पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों के साथ मिलकर शराब को यहां छिपाया था और उसे अवैध रूप से बेचने वाला था।

नौकरी लगाने का झांसा गैंग में शामिल ठग पकड़ाया

रायपुर। मंत्रालय में बाबू, पटवारी और फूड इंस्पेक्टर के पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर करीब 5 करोड़ से ठगी करने वाले गिरोह का एक और आरोपी पकड़ा गया। पुलिस अब तक इस मामले में गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी कर चुकी है। इसमें पीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी की बहन झगीता जोशी और साला देवेंद्र जोशी मुख्य आरोपी हैं। इसमें सेजबहार का कपिल देशलहरे भी शामिल है। उसने भी आधा दर्जन लोगों से नौकरी लगाने के नाम पर पैसा लिया है। पुलिस ने बताया कि रैकेट में स्वप्निल दुबे, नफीज आलम, हलधर बेहरा, सोमेश दुबे भी शामिल थे।

पुलिस ने नहीं लिखी रिपोर्ट थाना घेरकर की नारेबाजी

- अंबिकापुर में पूर्व पार्षद पर जमीन बेचने के नाम पर 25 लाख की ठगी का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। अंबिकापुर में जमीन का सौदा कर 25 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज नहीं करने का आरोप लगाकर युवकों ने गांधीनगर थाने का घेराव कर दिया। युवकों का आरोप है कि थाना प्रभारी ने उनपर समझौता करने का दबाव बनाया। पूर्व पार्षद एवं अन्य लोगों ने फर्जी तरीके से ऋण पुस्तिका बनवाकर युवक से जमीन बेचने का सौदा किया था एवं लाखों रुपये की ठगी की है।

मिली जानकारी के मुताबिक, अंबिकापुर के दर्रीपारा निवासी पिंटू गुप्ता ने आरोप लगाया है कि भगवानपुर निवासी पूर्व पार्षद दिलीप धर, अग्रसेन वार्ड निवासी राजेश अग्रवाल व एक राकेश अग्रवाल ने जमीन बेचने के नाम पर 35 लाख रुपये किश्तों में ले लिए। जमीन के दस्तावेज सही नहीं है। नजूल भूमि का फर्जी ऋण पुस्तिका बनाकर दिलीप धर और अन्य ने जमीन का सौदा कर राशि ले ली।

पिंटू गुप्ता ने बताया कि फर्जीवाड़े की जानकारी मिलने पर पिंटू गुप्ता ने राशि वापस मांगी तो 10 लाख रुपये वापस किया। 13 लाख रुपये का एक चेक उन्होंने दिया था, जो बाउंस हो गया है। अब बोल रहे हैं कि वे पैसा नहीं देंगे। जो करना है कर लो। पिंटू गुप्ता ने बताया कि गांधीनगर टीआई ने कहा कि बात कर लो और समझौता कर लो। दिलीप धर द्वारा कहा जा रहा है कि वह 13 लाख रुपये कल दे देगा। बाकी नहीं देगा। जो करना है कर लो। पुलिस ने मामले में एफआईआर नहीं कर रही है।

पिंटू गुप्ता ने मामले की जानकारी साथी युवकों को दी तो युकां के नेता राकेश सिंह सहित अन्य लोग थाने पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। थाना प्रभारी मोरध्वज ने युवकों को समझाइश दी तो युवक शांत हुए। गांधीनगर पुलिस ने फिलहाल मामले को जांच में बताया है।

प्रयागराज हादसा : दस शव कोरबा पहुंचे, बिलख पड़े परिजन

- महाकुंभ जाते वक्त प्रयागराज में बस से टकराई थी बोलेरो
- श्रममंत्री ने किया 1-1 लाख मुआवजे का ऐलान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। प्रयागराज में हुए एक भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के 10 लोगों की मौत हो गई। 2 दिनों के बाद मृतकों के 10 शव कोरबा पहुंचे। शवों के घर पहुंचते ही परिजन बिलख पड़े। छत्तीसगढ़ के श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन सहित भाजपा और कांग्रेस के कई नेताओं ने मृतकों के परिवारों से मुलाकात की। मंत्री देवांगन ने शोक व्यक्त करते हुए घोषणा की कि प्रत्येक मृतक के परिवार को एक-एक लाख की सहायता राशि देने की बात कही।

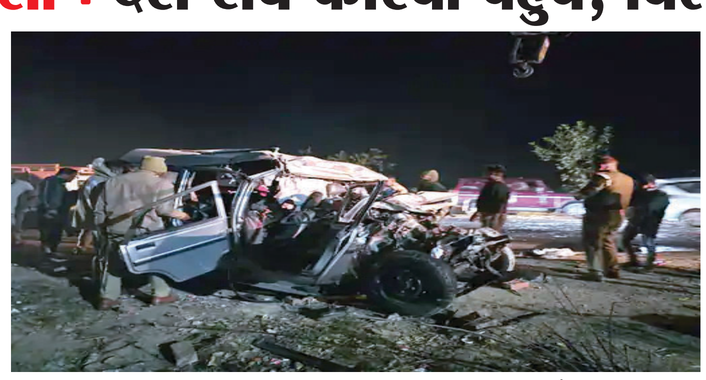

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री से बातचीत कर अतिरिक्त सहायता का प्रयास किया जाएगा। साथ ही शासन की ओर से मिलने वाली नियमित सहायता राशि भी परिवारों को प्रदान की जाएगी। वहीं नई मेयर संजू देवी राजपूत भी मृतक परिजनों से मिलने पहुंची, उन्होंने पीड़ित परिवार का ढांढस बंधाया।

बता दें कि श्क के प्रयागराज में शुक्रवार रात बस और बोलेरो की भीषण टक्कर में कोरबा जिले के 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हैं। मरने वालों में पिता-पुत्र और जीजा-साले शामिल हैं। ये सभी महाकुंभ स्नान के लिए जा रहे थे। यमुनापार स्क्विवेक यादव ने बताया कि बोलेरो में सभी पुरुष सवार थे। इसकी स्पीड बहुत ज्यादा थी। बस वाले ने ब्रेक लगाया, लेकिन सामने से आ रही बोलेरो बस में सामने से भिड़ गई। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि टक्कर की आवाज सुनकर हम लोग दौड़कर पहुंचे। देखा कि बोलेरो से शव बुरी तरह फंसे हुए थे। खून से लथपथ लोग तड़प रहे थे। उन्होंने फौरन पुलिस को सूचना दी। पुलिस गैस कटर और एम्बुलेंस लेकर मौके पर पहुंची।

इसके बाद बोलेरो को गैस कटर से काटा गया। तब जाकर शवों को बाहर निकाला गया। कई शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे। मृतकों में संतोष सोनी (54), भागीरथी जायसवाल (47), सौरभ सोनी (26), शिवा राजपूत (62), गंगादास वर्मा (53), राजू साहू (38), दीपक वर्मा (28), सोमनाथ यादव (27), ईश्वरी जायसवाल (45) व अजय बंजारे (35) शामिल हैं।

बिलासपुर में नाबालिग छात्रा से छेड़खानी

बिलासपुर। रतनपुर क्षेत्र में छात्रा से स्कूल के रास्ते में छेड़खानी का मामला सामने आया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर 2 युवकों को गिरफ्तार कर लिया।

रतनपुर क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण ने बताया कि उनकी बेटी 27 जनवरी को घर से स्कूल जाने के लिए निकली। इसी दौरान रास्ते में परसौड़ी परसदा में रहने वाले प्रताप सूर्यवंशी (23) और करण सूर्यवंशी (21) ने बेटी को रोककर छेड़खानी की। घटना की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। इस बीच आरोपी अपने ठिकाने से फरार हो गए। जांच के दौरान पता चला कि दोनों आरोपी अपने घर पर छुपे हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने स्कूटी सवारों को कुचला, हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा में उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत उरगा हाटी मुख्य मार्ग के कुरुडीह के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने एक्टिवा सवार तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया जहां इस हादसे में घटना स्थल पर ही दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई वही एक को मामूली चोट आई है इस घटना के बाद देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई वहीं इसकी सूचना संबंधित उरगा थाना पुलिस को दी गई जहां मौके पर पहुंच लोगों को समझने का प्रयास किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों मृतक कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत के मोती सागरपारा निवासी थे। 32 वर्षीय प्रेमलाल केवट वही दूसरा मृतक बच्चु केवट है।

मृतक के साथी संतोष कुमार ने बताया कि प्रेमलाल बच्चु तीनों एक एक्टिवा में

सवार होकर भैसमा सब्जी लेने गए हुए थे जहां वापस लौटते समय कुरुडीह मोड़ के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आगे जहां ठोकर लगने से प्रेम लाल और बच्चु ट्रेलर के पहिए के नीचे आ गए जहां दोनों की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई वही संतोष दूर फेंका गया और वह बाल बाल बच गया नहीं तो उसकी भी जान जा सकती थी। तेज रफ्तार के कारण यह घटना घटी है एक्टिवा प्रेम लाल का था और वही वाहन चला रहा था।

मृतक प्रेमलाल के भाई राकेश केवट ने बताया कि दो भाइयों ने सबसे बड़ा था उनके शादी को 12 साल हो गए हैं और संतान नहीं थे। राकेश के शादी के 1 साल बाद एक बच्चा हुआ जिसका छठी कार्यक्रम घर पर था। छठी कार्यक्रम के लिए तीनों बाइक में सवार होगा सब्जी लेने गए हुए थे वापस लौटते समय यह घटना सामने आई है।

कई साल बाद घर में खुशियां आई थी और अब खुशियां माता में बदल गई है उसका भाई घर में बच्चा होने के बाद काफी खुश था और धूमधाम से कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस घटना के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और उनका बुरा हाल है। वहीं घटना की सूचना के बाद लोगों ने घटनास्थल पर ही चक्का जाम कर दिया और पुलिस मौके पर पहुंचे जहां उन्हें समझाने का प्रयास किया जा रहा है पुलिस ट्रेलर चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

कोरबा में पंचायत चुनाव की रैली से लौट रहे ट्रैक्टर की चपेट में आने से मासूम की मौत

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक बालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जिस ट्रैक्टर की चपेट में आने बच्चे की मौत हुई है वह पंचायत चुनाव में प्रचार पर था। बताया जा रहा है कि मृतक की पहचान आर्यन के रूप में हुई है जो कि सरपंच प्रत्याशी की ट्रेक्टर की चपेट में आ गया।

मिली जानकारी के अनुसार यह घटना करतला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत ढोंग दरहा की है। मृतक बच्चे की पहचान ग्राम पंचायत ढोंग दरहा निवासी उमाशंकर कंवर के बेटे आर्यन के रूप में हुई है। सरपंच पद के प्रत्याशी मालिक राम चुनाव प्रचार में पास के ही अन्य गांव में गए हुए थे जहां से वापस लौटते समय ट्रैक्टर की चपेट में आने से आर्यन की मौत हो गई। मृतक के परिजन ने बताया की आर्यन ट्रैक्टर में ही बैठा हुआ था और वह ट्रैक्टर के पहिए के नीचे अचानक आ गिरा घटना कब कैसे और किन परिस्थिति में हुई इस बात की जानकारी उसे नहीं है। जिला अस्पताल चौकी प्रभारी दाऊद कुजूर ने बताया कि जिला मेडिकल कॉलेज से मिले मेमू के आधार पर परिजनों का बयान दर्ज किया गया है वहीं जांच के लिए संबंधित थाना को डायरी भेजी जाएगी इसके बाद ही पता चल सकेगा कि बालक की मौत कब कैसे हुई है।

Urgent Requirements

Profile: Senior Accountant.Job
Types: Full-time, Permanent,
Experience: 5-8 years. Pay: 20,000.00 - 40,000.00 per month
Working Time:- 10.00am To 7.00Pm
Qualification: Bachelor's in Accounting/Finance (CA/CPA/MBA preferred).

Cont. No. 6232 926 014

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मुख्यमंत्री साय ने दिव्यांगजनों के सामूहिक विवाह समारोह में नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद के द्वारा आयोजित दिव्यागजन सामूहिक विवाह समारोह में 31 दिव्यांग जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने सभी नवविवाहित जोड़ों के सुखी वैवाहिक जीवन की मंगलकामना करते हुए कहा कि यह आयोजन सामाजिक समरसता और दिव्यांगजनों के उत्थान का उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। यह आयोजन भी देवतुल्य दिव्यांगजनों की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने परिषद द्वारा विगत अनेक वर्षों से इस आयोजन को सफलतापूर्वक संचालित करने की सराहना की और इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली पहल बताया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिव्यांगजनों के सामूहिक विवाह आयोजन को समाज में समावेशिता और समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दिव्यांगजनों की सेवा केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि यह सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल 31 नवविवाहित दिव्यांग जोड़ों के लिए नई शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि यह समाज को दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की प्रेरणा भी देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना चलाई जा रही है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक जोड़े को 50,000 रुपये की सहायता दी जाती है। यदि पति-पत्नी दोनों दिव्यांग हैं, तो दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत उन्हें एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक इस योजना की 12 किश्तें जारी की जा चुकी हैं, जिससे प्रदेश की माताओं और बहनों को आर्थिक संबल मिला है। उन्होंने कहा कि बेटियां समाज का आधार स्तंभ हैं। वे न केवल परिवार को जोड़ती हैं, बल्कि संस्कारों की वाहक भी होती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना ने एक दशक पूरा कर लिया है, जिससे बालिकाओं के सशक्तिकरण में अभूतपूर्व सफलता मिली है।

सामूहिक विवाहः सामाजिक समरसता की मिसाल

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सामूहिक विवाह अब सामाजिक परंपरा का हिस्सा बन गए हैं और इससे समाज में जागरूकता बढ़ रही है। उन्होंने इस आयोजन में कान्य कुब्ज ब्राह्मण समाज, मारवाड़ी युवा मंच, सीनियर सिटीजन वेलफेयर फोरम जैसी विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के योगदान की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकजुटता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं।

मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और निःशक्तजनों की सेवा करना एक सौभाग्य की बात है। उन्होंने सभी स्वयंसेवी संगठनों को इस तरह के सामाजिक समरसता बढ़ाने वाले आयोजनों के लिए प्रेरित किया और आयोजन समिति को भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा, आपका दांपत्य जीवन सुखमय रहे, आप प्रेम और विश्वास के साथ आगे बढ़ें। मैं सभी नवविवाहित जोड़ों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

विशेष आकर्षणः दिव्यांग बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति

इस अवसर पर 'कोपलवाणी' के मूक-बधिर दिव्यांग बच्चों ने छत्तीसगढ़ी गीतों पर सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया। उनकी प्रतिभा ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री श्री साय एवं उपस्थित अतिथियों ने बच्चों की कला की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद के कार्यों की सराहना की और कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के पुनर्वास, चिकित्सा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी। इस अवसर पर परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. विनय पाठक ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और कहा कि जनसहयोग से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में परिषद लगातार कार्य कर रही है।

54 एकड़ में बसी कुंभ कल्प मेला की दुनिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। तीर्थ नगरी राजिम के पावन तट पर नवीन मेला मैदान राजिम-चौबेबांधा में कुंभ कल्प की एक अलग ही दुनिया बसी हुई है। इस बार नए मेला मैदान में 54 एकड़ के विशाल भूखंड को बहुत ही सुव्यवस्थित ढंग से सजाया गया है। जिसकी रौनकता और भव्यता देखकर यहां आने वाले पर्यटक प्रशंसा करने के से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। मेला आयोजन को सफल बनाने विभिन्न विभागों के अधिकारी - कर्मचारी पूरी लगन, निष्ठा और मेहनत के साथ काम कर रहे हैं, जिसके कारण मेले का स्परूप बहुत ही व्यवस्थित और बहुआयामी हो गया है। विशाल मुख्य मंच में कलाकारों सहित आए हुए अतिथियों के लिए पर्याप्त जगह बनाई गई है, ताकि कलाकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने में किसी प्रकार की तकलीफों का सामना न करना पड़े। इसी प्रकार दर्शकों के बैठने 5 हजार से अधिक कुर्सियां लगाई गई है।

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध राजिम कुंभ कल्प मेला में प्रतिवर्ष लाखों लोग आकर पर्व स्नान का पुण्य लाभ उठाते हैं। इसी भीड़ को मद्देनजर रखते हुए इस बार नए मेले मैदान में कुंभ कल्प का आयोजन किया गया। ताकि भीड़ से स्थानीय जनता सहित आने वाले श्रद्धालुओं को जाम जैसी असुविधाओं का सामना न करना पड़े। मेला में पहुंचे महासमुंद के नागेश साहू, दुर्गेश, कोमल, पुरेन्द्र एवं उसके साथियों ने अपना अनुभव बांटते हुए बताया कि हम लोग प्रतिवर्ष राजिम कल्प मेला घूमने आते हैं, लेकिन इस बार मेले की सजावट और व्यवस्था देखकर हम लोग काफी खुश हैं।

मेला में पहुंचने वाले लोगों की सुविधा को देखते हुए पीएचई विभाग द्वारा पाईप लाईन बिछाकर पूरे मेले मैदान में नल लगाकर पेयजल की व्यवस्था की गई है, जिसके कारण आने वाले सभी श्रद्धालुओं को पीने के पानी के लिए भटकना नहीं पड़ रहा है। महानदी आरती स्थल से लेकर नवीन मेला मैदान तक लंबी पाइप लाईन बिछाकर थोड़ी-थोड़ी दूर पर टोटी लगाकर पेयजल की व्यवस्था की गई है। इस चिलचिलाती धूप में घूमते हुए थके शरीर को गला तर करने के लिए पानी मिल रहा है, तो इससे बड़ी बात क्या हो सकती है। इसी प्रकार महानदी आरती स्थल से संत समागम क्षेत्र तथा वहां पर लगी दुकानों के आसपास भी पेयजल की इसी प्रकार से व्यवस्था की गई है, जिससे लोगों को पीने के पानी सहजता से उपलब्ध हो रहा है।

10 रुपए में मिल रहा भर पेट भोजनः मेलार्थियों को स्वादिष्ट और भरपेट भोजन उपलब्ध हो इस बात को ध्यान में रखते हुए शासन - प्रशासन द्वारा भरपूर व्यवस्था की गई है। पूरे मेला मैदान में 53 से ज्यादा दाल भात सेंटर खोले गए हैं। ये दाल भात सेंटर की जिम्मेदारी महिला स्व सहायता समूह को दी गई है। लोगों को मात्र 10 रुपए में स्वादिष्ट गर्म भोजन मिल रहा है। वहीं 20 रुपए में दाल भात के साथ सब्जी और अचार भी दिया जा रहा है। शासन द्वारा इन दाल भात सेंटरों पर बराबर नजर रखी जा रही है, ताकि भोजन की गुणवत्ता और मात्रा पर ध्यान दिया जा सके। दाल भात सेंटर में भोजन करने वालों ने बताया कि उन्हें जिस आत्मीयता और सम्मान के साथ भोजन कराया गया, उससे उनके पेट ही नहीं बल्कि खुशी से आत्मा भी तृप्त हो गई। इस व्यवस्था के लिए आने वाले दर्शनार्थियों ने आयोजक टीम की भी काफी प्रशंसा की।

नए मेला मैदान में व्यापारी भी हैं उत्साहित

54 एकड़ के विशाल मेला मैदान में अलग-अलग व्यवस्था की गई, ताकि किसी भी आयोजन में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। जिसमें मुख्य मंच, सांस्कृतिक मंच, फूड जोन, मीना बाजार, दाल-भात सेंटर, पंचकोशी धाम की झांकी, विभिन्न प्रकार की व्यावसायिक दुकानें आदि की व्यवस्था की गई है। मेला में आए व्यापारियों ने बताया कि मेला के प्रारंभ से ही दुकान अच्छी चली। हालांकि अभी व्यापार मंदा है शनिवार को व्यापार अच्छा चला। उन्होंने उम्मीद जताते हुए बताया कि आने वाले दिनों में हमारा व्यापार जरूर बढ़ेगा। खासकर छोटे व्यवसायियों को इस मेले से काफी उम्मीदे हैं। शिवरीनारायण से ओखरा बेचने आई महिला ने बताया कि पिछली बार हमने एक लाख रुपए का व्यवसाय किया था। उम्मीद है इस बार भी अच्छी आमदनी हो जाएगी। छुट्टी के दिनों और महाशिवरात्रि में व्यवसाय बढ़ने की पूरी उम्मीद है। वैसे इस बार मेले में आए छोटे व्यापारियों को बहुत ही न्यूनतम दर पर दुकानें आबंटित की गई है, जिससे व्यापारी काफी खुश है। उनका कहना है कि इस बार प्रशासन द्वारा पांच सौ रुपए निर्धारित दर में दुकानें दी गई है, जिसमें लाइट सहित अन्य व्यवस्था भी निःशुल्क हैं। शासन की इस व्यवस्था से हम छोटे व्यापारी बहुत खुश है।

प्राकृतिक सौंदर्य और आस्था का संगम है नारागांव स्थित मां सियादेवी का मंदिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्राकृतिक सौंदर्य और आस्था का संगम है नारागांव स्थित मां सियादेवी का मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और आस्था का संगम है नारागांव स्थित मां सियादेवी का मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और आस्था का संगम है नारागांव स्थित मां सियादेवी का मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और आस्था का संगम है नारागांव स्थित मां सियादेवी का मंदिर माँ सियादेवी का यह मंदिर बालोद जिले के ग्राम नारागांव के समीप स्थित है। चारों ओर फैले घने जंगल और मंदिर के समीप स्थित जलप्रपात इसे और अधिक आकर्षक बनाते हैं। बारिश के मौसम में जब जलप्रपात पूरी ताकत के साथ प्रवाहित होता है, तब इसकी गूंज दूर-दूर तक सुनाई देती है। झरने का मनमोहक दृश्य और उसके गिरने की मधुर ध्वनि हर पर्यटक को एक रोमांचकारी अनुभव प्रदान करती है। प्रकृति की गोद में बसे इस स्थल की खूबसूरती न केवल आँखों को सुकून देती है, बल्कि मन को भी शांति और आनंद से भर देती है।

माँ सियादेवी मंदिर की ऐतिहासिक और धार्मिक मान्यता रामायण काल से जुड़ी हुई है। मान्यता है कि वनवास के दौरान भगवान श्रीराम और लक्ष्मण, देवी सीता की खोज करते हुए इस स्थान पर आए थे। माता पार्वती ने देवी सीता के रूप में भगवान राम की परीक्षा ली, लेकिन भगवान राम ने उन्हें पहचान लिया और माँ के रूप में प्रणाम किया। इस घटना से माता पार्वती को अपराधबोध हुआ, और उन्होंने भगवान शिव से क्षमा मांगी। तब भगवान शिव ने उन्हें इसी स्थान पर माँ सियादेवी के रूप में विराजमान होने का निर्देश दिया। तभी से यह स्थल श्रद्धालुओं के लिए एक प्रमुख धार्मिक स्थान बन गया।

माँ सियादेवी नारागांव, आध्यात्मिक और प्राकृतिक पर्यटन के लिए एक आदर्श स्थल बन चुका है। यहाँ आने वाले श्रद्धालु माँ सियादेवी का आशीर्वाद लेने के साथ ही इस स्थान की प्राकृतिक सुंदरता का भरपूर आनंद उठाते हैं। वर्षभर यहाँ पर्यटकों की आवाजाही बनी रहती है, लेकिन नवरात्रि के समय यह स्थान विशेष रूप से भक्तिमय वातावरण से भर जाता है, जब हजारों श्रद्धालु यहाँ माता के दर्शन के लिए आते हैं।

बालोद जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग द्वारा इस स्थल को विकसित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। पर्यटकों की सुविधा के लिए सीसी सड़क, बैरिकेड्स, सीढ़ियाँ, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, सोलर लाइट, विश्राम शेड और बैठक भवन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इससे यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होती है। माँ सियादेवी नारागांव तक पहुँचना काफी सरल है। सड़क मार्ग से रायपुर, धमतरी और बालोद से यहाँ आसानी से पहुँचा जा सकता है। ग्राम सांकरा से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी तय कर ग्राम नारागांव होते हुए इस स्थल तक पहुँचा जा सकता है।

प्राकृतिक सौंदर्य और आस्था का संगम है नारागांव स्थित मां सियादेवी का मंदिर

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में स्थित माँ सियादेवी नारागांव एक ऐसा स्थल है, जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक महत्व का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। घने जंगलों से घिरा यह स्थान प्राकृतिक जलप्रपात, धार्मिक स्थल और पर्यटन क्षेत्र के रूप में प्रसिद्ध है। यहाँ प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु माँ सियादेवी के दर्शन के लिए आते हैं और इस स्थान की अनुपम प्राकृतिक छटा का आनंद लेते हैं। छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि आसपास के राज्यों से भी पर्यटक यहाँ घूमने और आध्यात्मिक शांति का अनुभव करने के लिए पहुँचते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950